सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 247 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शनिवार 20 जून 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

एपीके फाइल से ठगा गया फाइनेंस कर्मी, ढाई लाख की लगी चपत

रायपुर। हिंदूजा फाइनेंस कंपनी के कर्मचारी प्रेम नगर मोवा निवासी 35 वर्षीय आशीष वर्मा साइबर ठगी का शिकार हो गए हैं। 6 जून को दोपहर करीब 12:30 बजे उनके मोबाइल पर एक अज्ञात नंबर से संदेश प्राप्त हुआ। संदेश में आरटीओ का ई-चालान होने का दावा किया गया था और उसके साथ एक एपीके फाइल भेजी गई थी। आशीष वर्मा ने इसे वास्तविक ई-चालान समझकर फाइल को डाउनलोड कर ओपन कर लिया। इसके कुछ ही समय बाद साइबर ठगों ने उनके बैंक खाते तक पहुंच बना ली। देखते ही देखते उनके एक्सिस बैंक खाते से कुल 2 लाख 63 हजार 673 रुपए की राशि विभिन्न माध्यमों से ट्रांसफर कर ली गई। घटना की जानकारी पीड़ित को बाद में हुई। आशीष वर्मा की शिकायत पर पुलिस ने धारा 318(4) के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

छत्तीसगढ़ के कई जिलों में बारिश का अलर्ट

रायपुर। मौसम विभाग ने छत्तीसगढ़ के अलग-अलग इलाकों में गरज-चमक और बिजली गिरने का अलर्ट जारी किया है, इसके साथ ही कुछ जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश होने के आसार हैं। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक, अगले 2 दिनों तक प्रदेश के कई हिस्सों में बिजली गिर सकती है। इससे पहले, पिछले 24 घंटों में प्रदेश के सभी संभागों में गरज-चमक के साथ आंधी-बारिश की स्थिति बनी रही। इस दौरान 37 डिग्री के साथ रायपुर प्रदेश का सबसे गर्म व 22.7 डिग्री न्यूनतम तापमान अंबिकापुर में रिकॉर्ड किया गया।

शिवनाथ नदी में दिखा मगरमच्छ, भय का माहौल

राजनांदगांव। मोहला-मानपुर अंबागढ़ चौकी व आसपास के गांवों के बीच से गुजरने वाली शिवनाथ नदी में मगरमच्छ देखे जाने की खबर से नदी किनारे बसे गांवों में जहां दहशत का माहौल निर्मित हो गया हैं। वहीं वन महकमा भी रेस्क्यू और सुरक्षात्मक कवायदों में जुटा हुआ हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हुई एक तस्वीर में शिवनाथ नदी के पानी में मगरमच्छ तैरता दिखाई दे रहा हैं। वायरल तस्वीर का लोकेशन खंगालने पर पता चला कि यह तश्वीर अंबागढ़ चौकी नगर और नगर से लगे गौलीटोला गांव के इर्द-गिर्द की है। तस्वीर में दिख रहा प्राणी भी मगरमच्छ ही है। डीएफओ दिनेश पटेल ने इसकी पुष्टि की है।

ट्रेन में बिना टिकट यात्रा पर अब देना होगा दोगुना जुर्माना, 13 साल बाद बदले नियम

रेल मंत्रालय ने सभी जोन को आदेश जारी कर दी नए नियमों की जानकारी, एक जुलाई से होंगे लागू

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। ट्रेन में बिना टिकट यात्रा करते हुए पकड़े जाने पर अब पहले की तुलना में दोगुना जुर्माना देना होगा। अभी बेटिकट यात्रा करने पर यात्री से पूरा किराया वसूला जाता है और 250 रुपये जुर्माना लगाया जाता है। रेलवे की ओर से की गई नई व्यवस्था में यह जुर्माना बढ़ाकर 500 रुपये कर दिया गया है। नया नियम एक जुलाई से लागू होगा। नियम में यह बदलाव करीब 13 साल बाद किया गया है। इससे पहले वर्ष 2013 में जुर्माना 50 रुपये से बढ़ाकर 250 रुपये किया गया था। रेल मंत्रालय ने 18 जून को देश के सभी रेलवे जोन को आदेश जारी कर नए नियमों की जानकारी दी है। ये नियम 1 जुलाई 2026 से लागू होंगे।

रेलवे के अनुसार, कोई यात्री किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर बुक किए गए टिकट पर यात्रा करते हुए पकड़ा जाता है, तो उसका टिकट जब्त कर लिया जाएगा। साथ ही उससे पूरा किराया और 500 रुपये जुर्माना वसूला जाएगा। इसके अलावा महिला कोच में प्रवेश करने वाले पुरुष यात्रियों पर 2,500 रुपये तक का जुर्माना तय किया गया है।

अधिकारियों ने बताया कि नये नियम जनविश्वास अधिनियम के तहत लागू किए जा रहे हैं। इनका मकसद बिना टिकट यात्रा तथा टिकट के दुरुपयोग को रोकना है। जुर्माना नहीं भरने की स्थिति में मामला अदालत में भेजा जाएगा, जहां जुर्माने के साथ जेल की सजा भी हो सकती है। रेलवे बोर्ड ने सभी जोनल रेलवे को निर्देश जारी कर इन नियमों की जानकारी अधिकारियों और कर्मचारियों तक पहुंचाने और सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के लिए कहा है।

नशे में हंगामा व यात्रियों को परेशान करने पर भी कार्रवाई

नए नियमों में रेलवे परिसर और ट्रेनों में अनुशासन तोड़ने वाले मामलों पर भी सख्त कार्रवाई का प्रावधान किया गया है। नशे की हालत में ट्रेन या स्टेशन पर हंगामा करने, यात्रियों को परेशान करने या गाली-गलौज करने पर संबंधित व्यक्ति को ट्रेन से उतारा जा सकता है। उसके खिलाफ जुर्माना या अन्य कानूनी कार्रवाई की जाएगी। रेलवे परिसर में बिना लाइसेंस फेरी लगाने या भीख मांगने पर 2,000 रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा।

प्रतिबंधित सामान पर 10 हजार तक का जुर्माना

प्रतिबंधित सामान लेकर यात्रा करने पर दस हजार रुपये तक जुर्माना या नुकसान की भरपाई करनी होगी। स्टेशन या ट्रेन में अनधिकृत प्रवेश पर 500 रुपये का जुर्माना देना होगा। नशे की हालत में हंगामा करने पर 24 घंटे की जेल, 1,000 जुर्माना या सामुदायिक सेवा की सजा का प्रावधान है। अश्लीलता फैलाने या यात्रियों को परेशान करने पर 1,000 जुर्माना या छह माह तक की जेल हो सकती है।

13 साल बाद जुर्माना राशि में की गई वृद्धि

अधिकारियों का कहना है कि इससे पहले जुर्माना की राशि वर्ष 2013 में 50 रुपये से बढ़ाकर ढाई सौ रुपये किया गया था। यानी 13 वर्षों के बाद इसमें वृद्धि की गई है। यदि किसी अन्य के नाम पर बुक टिकट से कोई यात्रा करते हुए पकड़ा जाएगा तो टिकट जब्त करने के साथ ही उससे पूरा किराया और पांच सौ रुपये जुर्माना वसूला जाएगा। नशे की हालत में ट्रेन या रेलवे परिसर में हंगामा करने, यात्रियों परेशान करने और गाली-गलौज करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। उसे ट्रेन से उतारने के साथ ही जुर्माना या अन्य कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जानिए किस गलती पर कितना जुर्माना

- बिना टिकट यात्रा करने पर किराया के साथ 500 का जुर्माना
- दूसरे के टिकट पर यात्रा करने पर किराया के साथ 500 का जुर्माना
- बिना लाइसेंस फेरी और भीख मांगने पर 2000 का जुर्माना
- महिलाओं कोच में प्रवेश करने पर 2,500 का जुर्माना
- प्रतिबंधित सामान लाने पर 10000 का जुर्माना या नुकसान की भरपाई
- स्टेशन व ट्रेन में अनाधिकृत प्रवेश पर 500 का जुर्माना
- नशा करके हंगामा करने पर 24 घंटे की जेल, 1,000 का जुर्माना या सामुदायिक सेवा की सजा
- अश्लीलता फैलाना या यात्रियों को परेशान करने पर 1,000 का जुर्माना या 6 महीने की जेल

परीक्षा देने जा रही छात्रा की ट्रक की चपेट में आने से मौत, पिता घायल

श्रीकंचनपथ न्यूज

जीपीएम। पेंड्रा थाना क्षेत्र अंतर्गत कोटमी चौकी स्थित सोन नदी पुल पर शनिवार सुबह हुए एक सड़क हादसे में पेंड्रा कॉलेज में पढ़ाई करने वाली बीएससी द्वितीय वर्ष की छात्रा की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसके पिता गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस अज्ञात ट्रक चालक की तलाश में जुट गई है।

जानकारी के अनुसार, कोरबा जिले के पसान थाना क्षेत्र के ग्राम अमझर निवासी कृपाल सिंह अपनी बेटी गायत्री के साथ मोपेड से पेंड्रा कॉलेज जा रहे थे। गायत्री पेंड्रा के कॉलेज में बीएससी द्वितीय वर्ष की छात्रा थी और परीक्षा देने के लिए अपने पिता के साथ घर से निकली थी। सुबह लगभग कॉलेज पहुंचने से पहले कोटमी के सोन नदी पुल के पास उनकी मोपेड एक अज्ञात ट्रक की चपेट में आ गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पुल पर एक ट्रक ओवरटेक कर रहा था। इसी दौरान मोपेड चालक कृपाल सिंह वाहन पर नियंत्रण नहीं रख पाए और मोपेड अनियंत्रित होकर ट्रक के करीब पहुंच गई। देखते ही देखते पिता-पुत्री ट्रक की चपेट में आ गए। हादसा इतना भीषण था कि गायत्री की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कृपाल सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए।

घटना की सूचना मिलते ही कोटमी चौकी और पेंड्रा पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं घायल कृपाल सिंह को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी इलाज जारी है।

शादी में जा रहे 3 दोस्तों की मौतः खड़े ट्रक से टकराई बाइक, ग्रामीणों ने ट्रक फूंका

सूरजपुर। जिले में शुक्रवार आधीरात को तेज रफ्तार बाइक सवार 4 दोस्त सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गए। हादसे में 3 युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। चारों युवक एक ही बाइक पर सवार होकर शादी में शामिल होने जा रहे थे। तभी उनकी बाइक सड़क किनारे खड़े मक्का लोड ट्रक से जा टकराई। घटना प्रतापपुर थाना क्षेत्र के बैकोना गांव की है। मरने वालों की पहचान रूपचंद पैकरा (20), रविंद्र पैकरा (19) और ओम प्रकाश पैकरा (18) निवासी बैकोना गांव के रूप में हुई है। अरमान पैकरा (16) की हालत नाजुक है। हादसे के बाद गुस्साए ग्रामीणों ने ट्रक को फूंक दिय। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

एक साल से लापता युवक का मिला कंकाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चांपा। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले नगर पंचायत राहौद के संतला तालाब के पास युवक का कंकाल मिला है। जिस युवक का कंकाल है उसकी पहचान शिव कुमार यादव के रूप में हुई है। पास मिले गमछे के आधार पर युवक की पहचान की गयी है।

मिली जानकारी के अनुसार पूरा मामला 19 जून 2025 का है। शिव कुमार यादव मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी। वह अचानक घर से लापता हो गया था। परिजनों ने थाने उसके गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी। परिजन और पुलिस सभी उसकी तलाश में होते हुए थे। इसी बीच 18 जून की शाम स्थानीय लोगों संतला तालाब के पास एक युवक का कंकाल मिला। इसकी सूचना पुलिस को दी गयी। जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और साथ ही शिव कुमार यादव के परिजन को बुलाया गया। घटनास्थल पर एक गमछा मिला। जिसके आधार पर उसकी पहचान हुई. युवक की मौत कैसे हुई अभी इसका पता नहीं चल सका है। पुलिस ने कंकाल के अवशेषों को पोस्टमार्टम और वैज्ञानिक जांच के लिए भेजा है। जिसके बाद मौत के कारणों का पता चल सकेगा। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार-2026 31 जुलाई तक जमा कर सकते हैं आवेदन

- 5 से 18 वर्ष आयु वर्ग के प्रतिभाशाली बच्चे कर सकते हैं आवेदन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बच्चों की असाधारण प्रतिभा, नवाचार, साहस और सामाजिक योगदान को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार-2026 के लिए नामांकन आमंत्रित किए गए हैं। महिला एवं बाल विकास विभाग ने प्रदेश के प्रतिभाशाली बच्चों, अभिभावकों, शिक्षण संस्थानों तथा सामाजिक संगठनों से अधिक से अधिक संख्या में आवेदन करने की अपील की है।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार देश का सर्वोच्च बाल सम्मान माना जाता है, जो उन बच्चों को प्रदान किया जाता है जिन्होंने वीरता, सामाजिक सेवा, पर्यावरण संरक्षण, खेल, कला एवं संस्कृति तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हों। यह प्रतिष्ठित सम्मान भारत के राष्ट्रपति द्वारा प्रदान किया जाता है। विभागीय जानकारी के अनुसार 5 से 18 वर्ष आयु वर्ग के बच्चे इस पुरस्कार के लिए पात्र हैं। नामांकन की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026 निर्धारित की गई है। इच्छुक बच्चे स्वयं भी आवेदन कर सकते हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पीएम मोदी को बताया महान नेता

नईदिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना करते हुए उन्हें एक महान नेता और सख्त प्रशासक बताया। राष्ट्रपति ट्रंप ने एक्सियोस के साथ एक इंटरव्यू में प्रधानमंत्री मोदी को दुनिया के उन नेताओं में शामिल किया जिनकी वे सबसे ज्यादा सराहना करते हैं। एक इंटरव्यू के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ताकत, कूटनीति और वैश्विक नेतृत्व के मुद्दे पर बात की। इंटरव्यू के दौरान, अमेरिकी राष्ट्रपति ने बार-बार पीएम मोदी की सराहना की। ट्रंप ने पीएम मोदी की उन खूबियों पर बात की जो उनके प्रभावशाली नेतृत्व को दर्शाती हैं। उन्होंने भारतीय प्रधानमंत्री के लंबे कार्यकाल, राजनीतिक ताकत और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनकी छवि की ओर इशारा किया।

नीट री एग्जाम में एनटीए की बड़ी लापरवाही, नागपुर के छात्र को मिला अबूधाबी में सेंटर, शिकायत के बाद सुलझी समस्या

नागपुर। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी को लेकर विवाद थम नहीं रहा है। पेपर लीक के बाद अब दोबारा 21 जून को नीट परीक्षा का आयोजन होने वाला है। 22 लाख से ज्यादा छात्र परीक्षा के लिए अपने-अपने सेंटरों पर जाने को तैयार हैं। फिर एक गड़बड़ी सामने आयी। नागपुर के छात्र को अबू धाबी का परीक्षा केंद्र दे दिया गया। हालाँकि बाद में उसका परीक्षा केंद्र नागपुर कर दिया गया है।

जानकारी के मुताबिक, छात्र अब्दुल्ला मोहम्मद महराष्ट्र के नागपुर का रहने वाला है। उसने नीट के लिए वर्धा,भंडारा या नागपुर के परीक्षा केंद्र का चयन किया था। लेकिन जब 14 जून को जारी हॉल टिकट जारी किया गया तो उसके अबू धाबी इंडियन स्कूल वाला परीक्षा केंद्र दिया गया था। जिसके बाद छात्र

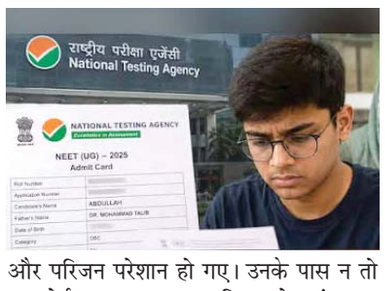

और परिजन परेशान हो गए। उनके पास न तो पासपोर्ट था न समय। परिवार ने तुरंत ह्यूम हेल्पलाइन से संपर्क किया, जहां एक अधिकारी ने भरोसा दिलाया कि गलती जल्द ही ठीक कर दी जाएगी। जिसके बाद उसे नागपुर सेंटर दिया गया है।

इस सम्बन्ध में छात्र के पिता मोहम्मद तालिब ने बताया, कल शाम 4 बजे जब एडमिट कार्ड डाउनलोड किया गया, तो हमने देखा कि सेंटर अबू धाबी का एक स्कूल है। हम हैरान रह गए क्योंकि हमने ऐसा कोई ऑप्शन नहीं चुना था। हमने हेल्पलाइन नंबर पर कॉल किया। उन्होंने हमें मेल भेजने के लिए कहा। जब हमने मेल भेजा, तो हमें कॉल आया कि शनिवार शाम 4 बजे तक नया एडमिट कार्ड जारी कर दिया जाएगा।

छात्र को मिला नागपुर सेंटर

वहीँ, छात्र को अबू धाबी में एग्ज़ाम सेंटर आवंटित किए जाने पर ह्यूम के ष्ठत अभिषेक सिंह ने बताया कि यह मामला सुलझा लिया गया है। अब कैंडिडेट को नागपुर में सेंटर आवंटित कर दिया गया है। चिंता की कोई बात नही है। छात्र अब नागपुर में ही एग्जाम देगा।

संपादकीय

सेहत पर भारी विकास

हरियाणा में बिना प्रदूषण नियंत्रकों के हजारों इकाइयां

इस बात में दो राय नहीं कि हरियाणा की समृद्धि में औद्योगिक विकास की बड़ी भूमिका रही है। जिसमें बड़ी संख्या में राज्य के लोगों को रोजगार भी मिला है। हरियाणा अपनी औद्योगिक सफलता की प्रेरक कहानी पर गर्व करता रहा है। मानेसर के ऑटोमोबाइल हब से लेकर राज्य भर में फैले मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर के उद्योगों में बड़े पैमाने पर नौकरियों के अवसर पैदा हुए हैं। निस्संदेह, इससे राज्य के आर्थिक विकास को भी गति मिली है। लेकिन इस विकास की दूसरी तस्वीर चिंता बढ़ाने वाली है। हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की यह बात चिंतित करने वाली है कि राज्य में तीन हजार औद्योगिक इकाइयों में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने वाले पर्याप्त उपकरण ही नहीं लगे हैं। जो एक गंभीर स्थिति को दर्शाती है। निस्संदेह, कोई भी विकास साफ हवा की कीमत पर नहीं किया जाना चाहिए। चिंता की बात यह भी है कि प्रदूषण नियामक उपकरणों की कमी वाली औद्योगिक इकाइयों की सूची में मानेसर सबसे ऊपर पाया गया है। यह औद्योगिक टाउनशिप न केवल हरियाणा का प्रमुख आर्थिक इंजन है, बल्कि हजारों श्रमिकों और उनके परिवारों का घर भी है। जो आज हर दिन कारखानों से निकलने वाले धुएं से प्रभावित हवा में सांस लेने को अभिशप्त हैं। विडंबना यह है कि अब तक इस संकट को गंभीरता से नहीं लिया गया। इस स्थिति को सुधारने के लिये कोई सार्थक पहल भी नहीं हुई है। बड़ी विचित्र बात है कि गाहे-बगाहे हर साल मौसमी स्मॉग या पराली जलाने को लेकर आरोप-प्रत्यारोपों का सिलसिला चलता रहता है। जबकि कोई वैज्ञानिक अध्ययन भी हमारे सामने नहीं आया कि स्मॉग व पराली जलाने की राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में होने वाले प्रदूषण में कितनी भूमिका होती है। लेकिन जिन औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाले प्रदूषण को हम नाप कर नियंत्रित कर सकते हैं, उस दिशा में कोई सार्थक पहल नहीं की गई। सालभर चलने वाली औद्योगिक उत्सर्जन की समस्या को प्राथमिकता के आधार पर संबोधित किया जाना चाहिए।

> “ हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की यह बात चिंतित करने वाली है कि राज्य में तीन हजार औद्योगिक इकाइयों में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने वाले पर्याप्त उपकरण ही नहीं लगे हैं। जो एक गंभीर स्थिति को दर्शाती है। निस्संदेह, कोई भी विकास साफहवा की कीमत पर नहीं किया जाना चाहिए। चिंता की बात यह भी है कि प्रदूषण नियामक उपकरणों की कमी वाली औद्योगिक इकाइयों की सूची में मानेसर सबसे ऊपर पाया गया है। यह औद्योगिक टाउनशिप न केवल हरियाणा का प्रमुख आर्थिक इंजन है, बल्कि हजारों श्रमिकों और उनके परिवारों का घर भी है। जो आज हर दिन कारखानों से निकलने वाले धुएं से प्रभावित हवा में सांस लेने को अभिशप्त हैं। विडंबना यह है कि अब तक इस संकट को गंभीरता से नहीं लिया गया। इस स्थिति को सुधारने के लिये कोई सार्थक पहल भी नहीं हुई है।

यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि वर्ष पर्यंत होने वाले औद्योगिक उत्सर्जन से हवा की गुणवत्ता खराब ही होती है। जिससे सांस संबंधी रोगों को बढ़ावा मिलता है। ये स्थितियां लोगों के जीवन की गुणवत्ता में गिरावट ही पैदा करती हैं। विडंबना यह है कि पर्यावरण की दृष्टि से बेहद संवेदनशील इलाकों, विशेष रूप से देश के नेशनल कैपिटल रीजन यानी एनसीआर में काम करने वाली औद्योगिक इकाइयों को अपनी जिम्मेदारी व जवाबदेही का अच्छे से पता होता है। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि इसके बावजूद हजारों इकाइयां नियमों को ताक पर रखकर मुनाफा कमाने में लगी हैं, वह भी हजारों लोगों की सांसों की कीमत पर। यह नियामक तंत्र द्वारा नियमों को लागू करने और जवाबदेही तय करने में बड़ी नाकामी को ही दर्शाता है। इस जटिल समस्या का समाधान सिर्फ नोटिस जारी करने तक सीमित नहीं होना चाहिए। वह बात अलग है कि कुछ छोटी और मध्यम दर्जे की कंपनियों को साफ-सुथरी टेक्नोलॉजी अपनाने के लिये तकनीकी सहायता और आर्थिक मदद की जरूरत हो सकती है। इसके बावजूद प्रदूषणरोधी उपकरण लगाने की समय-सीमा और निर्धारित मानकों को लेकर किसी तरह का समझौता नहीं किया जा सकता। सही मायने में चेतावनी के बावजूद बार-बार नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कड़ा जुर्माना लगाया जाना चाहिए। यह एक हकीकत है कि साफ हवा औद्योगिक विकास में कोई बाधा उत्पन्न नहीं करती है। यही स्थायी व दूरगामी परिणामों वाले विकास की अपरिहार्य शर्त भी है। सही मायनों में हरियाणा की अर्थव्यवस्था तब तक फल-फूल नहीं सकती, जब तक यहां के लोगों को अपनी सेहत की कीमत पर यह विकास करना पड़े। इसमें दो राय नहीं कि प्रगति और विकास की दृष्टि से राज्य के उद्योगों ने अग्रणी भूमिका निभाई है। इन उद्यमियों ने इनोवेशन और प्रतिस्पर्धा की कसौटी पर अपनी बेहतर क्षमताओं को साबित किया भी है। अब उन्हें इस बात के लिये प्रेरित करना होगा कि वे अब पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी निभाने में भी वैसी ही प्रतिबद्धता दर्शाएं। सही मायने में किसी भी समाज में असली समृद्धि तभी आ सकती है जब हमारी प्राथमिकताओं में जन-स्वास्थ्य पहले हो।

स्वस्थ बुढ़ापे के लिए योग : जिंदगी में जीवंतता का समावेश

सी.पी. राधाकृष्णन

सदियों से, भारत की एक अनूठी पहचान रही है। उसकी यह पहचान 'वसुधैव कुटुंबकम' यानी पूरी दुनिया को एक इकाई और सभी जीव-जंतुओं को एक मानने - की महान सोच में निहित रही है। भारत के इस आध्यात्मिक ज्ञान पर आधारित, योग एक ऐसी प्राचीन विद्या है जो शरीर, मन और आत्मा के बीच एक संतुलन स्थापित करती है। योग के मूल तत्वों में आसन (शारीरिक मुद्राएं), प्राणायाम (सांस लेने की तकनीकें) और ध्यान शामिल हैं। इन तत्वों का मेल शारीरिक स्वस्थता, मानसिक स्पष्टता और भावनात्मक संतुलन को बेहतर बनाता है।

दिनांक 27 सितंबर, 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करते हुए, माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने दुनिया को रहने योग्य और स्थिर बनाने के उद्देश्य से लोगों की जीवनशैली में बदलाव लाने की जरूरत पर बल दिया था। उन्होंने कहा कि योग मन एवं शरीर, सोच एवं कर्म, संयम एवं संतुष्टि के बीच एकता, इंसान एवं प्रकृति के बीच सामंजस्य और सेहत एवं कल्याण से संबंधित एक समग्र दृष्टिकोण का संगम है। माननीय प्रधानमंत्री के आग्रह पर, 11 दिसंबर 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 21 जून को 'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस' घोषित करने से संबंधित 174 से अधिक देशों के सम्मिलित प्रस्ताव को मंजूरी दी। वर्ष 2015 से, दुनिया भर में लाखों लोग सार्वजनिक जगहों पर इकट्ठा होकर एक साथ योग करते हैं और इस प्रकार हमारे प्राचीन ज्ञान को एक वैश्विक आंदोलन का रूप देते हैं।

इस वर्ष 21 जून को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी जहां कोलकाता में योग दिवस की अगुवाई करेंगे, वहीं मैं इस समारोह में भाग लेने के लिए लद्दाख में रहूंगा। व्यक्तिगत रूप से, पिछले कई वर्षों से मैंने भी योग एवं पंचकर्म के नियमित अभ्यास के लाभों को महसूस किया है। इन दोनों को अक्सर एक-दूसरे से जुड़ी विधाएं (सिस्टर साइंसेज) कहा जाता है। इन्हीं बेहद समृद्ध करने वाले व्यक्तिगत अनुभवों ने मुझे योग और मानव कल्याण पर इसके गहरे प्रभाव के बारे में अपने विचार साझा करने के लिए प्रेरित किया है।

योगः भारत की एक शाश्वत विरासत

माना जाता है कि शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक कल्याण से संबंधित 'योग' के कालजयी अभ्यास की शुरुआत हमारी सभ्यता के उदय के साथ ही हुई थी। योग की परंपरा में भगवान शिव को जहां सबसे पहला योगी या 'आदि योगी' और सबसे पहला गुरु या 'आदि गुरु' माना जाता है, वहीं योग के सिद्धांतों को 'योग सूत्र' में व्यवस्थित रूप से संकलित के कारण महर्षि पतंजलि को 'शास्त्रीय योग का जनक' माना जाता है। महर्षि पतंजलि का तमिलनाडु के साथ गहरा आध्यात्मिक नाता है। ऐसा माना जाता है कि उनकी भौतिक जीव समाधि भी तिरुपत्तूर में स्थित है।

हमारे श्रद्धेय ऋषियों और मुनियों ने दुनिया को योग का अमूल्य खजाना दिया। वर्षों के ध्यान, तपस्या और आध्यात्मिक साधना के बाद, इन ऋषियों और मुनियों ने एक ऐसी समग्र प्रणाली विकसित की जो शरीर, मन और आत्मा को जोड़ती है। रामकृष्ण परमहंस ने योग के तीन महान मार्गों की व्याख्या की है- ज्ञान योग, जो बुद्धि एवं ज्ञान का मार्ग है; कर्म योग, जो निस्वार्थ सेवा एवं सही कर्म का मार्ग है; और भक्ति योग, जो शुद्ध प्रेम और भक्ति का मार्ग है। उन्होंने सिखाया कि ये तीनों मार्ग अंततः परम सत्य की अनुभूति में एकाकार हो जाते हैं।

आज योग भौगोलिक, सांस्कृतिक और धार्मिक सीमाओं के बंधन से आगे निकल गया है। यह भारत के ऋषियों के शाश्वत ज्ञान और मानवता के कल्याण में उनके चिरस्थायी योगदान का जीवंत प्रमाण है।

स्वस्थ बुढ़ापे के लिए योग

हर वर्ष हमारे देश में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पूरे उत्साह और एक सार्थक विषय के साथ मनाया जाता है। इस वर्ष के विषय 'स्वस्थ बुढ़ापे के लिए योग' का खास महत्व है। स्वास्थ्य सेवा और सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली में हुई उल्लेखनीय प्रगति और मृत्यु दर में आई कमी के कारण दुनिया भर में लोगों की औसत आयु बढ़ी है। भारत भी आबादी में हो रहे इस बड़े बदलाव का साक्षी बन रहा है। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) की 'इंडिया एजिंग रिपोर्ट 2023' के अनुसार, 2050 तक भारत में हर पांच में से लगभग एक व्यक्ति की उम्र 60 वर्ष से अधिक होगी।

लंबी आयु के इस अनमोल उपहार का उत्सव मनाते हुए, समाज पर यह सुनिश्चित करने की एक महती जिम्मेदारी भी है कि जिंदगी में मिले इन अतिरिक्त वर्षों का मतलब केवल आयु में बढ़ोतरी ही न हो, बल्कि उन वर्षों में जीवन की गुणवत्ता भी बेहतर हो। इसी संदर्भ में, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) 2026 का विषय-स्वस्थ बुढ़ापे के लिए योग - एक बहत ही सामयिक संदेश के रूप में सामने आया है। आबादी में आए इस बदलाव के कारण भारत में 'सिल्वर इकॉनमी' का विस्तार हुआ है, जो मुख्य रूप से स्वास्थ्य सेवा और वरिष्ठ नागरिकों की जरूरतों से जुड़े सामानों एवं सेवाओं पर केंद्रित है। उद्योग जगत के विशेषज्ञों का अनुमान है कि अभी इसका आकार लगभग 73,000 करोड़ रुपये का है। आने वाले वर्षों में इस सेक्टर के काफी बढ़ने की उम्मीद है।

आज के दौर में आयु बढ़ने से जुड़ी हकीकतों ने इस तथ्य को उजागर किया है कि बुजुर्ग लोग कैसे विभिन्न प्रकार की मुश्किलों एवं कमजोरियों के जटिल जाल से जूझ रहे हैं। इस संदर्भ में, विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी दुनिया भर में बुजुर्गों के बीच गैर-संचारी रोगों, मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं और सामाजिक अलगाव के बढ़ते बोझ को बार-बार रेखांकित किया है।

मेरा भी यह मानना है कि आज वक्त की यह मांग है कि लोगों को कम आयु से ही योग से जोड़ा जाए। योग का अभ्यास जितनी जल्दी शुरू किया जाए, जीवन भर उसके उतने ही अधिक लाभ मिलते हैं। मुझे यह जानकर बेहद खुशी हुई है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में योग को स्वास्थ्य, कल्याण और मूल्यों पर आधारित शिक्षा के एक अहम हिस्से के तौर पर महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। युवाओं को योग से जोड़ने की दिशा में यह एक सकारात्मक कदम है। इससे निश्चित रूप से विद्यार्थियों में अनुशासन, एकाग्रता, भावनात्मक संतुलन और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा मिलेगा।

इस प्रकार, हम पाते हैं कि दुनिया भर में बदलती जनसांख्यिकीय परिस्थितियों के बीच भारत दुनिया को सफलतापूर्वक आगे बढ़ने का एक अनूठा मॉडल प्रदान कर रहा है - एक ऐसा मॉडल जो प्राचीन सभ्यतागत ज्ञान और आधुनिक वैज्ञानिक प्रमाणों के बीच सामंजस्यपूर्ण तालमेल बिठाता है - और वह है योग।

योग - आज के दौर में बुढ़ापे से जुड़ी समस्याओं का समाधान

आज, आधुनिक विज्ञान हमारे उन ऋषियों एवं योगियों की शाश्वत बातों की पुष्टि कर रहा है, जिन्होंने अनुशासित जीवन, योग और आध्यात्मिक साधना के जरिए असाधारण लंबी आयु, जीवन-शक्ति और मानसिक स्पष्टता हासिल की थी। हाल के वर्षों में योग के उपचारात्मक पहलुओं में अकादमिक और क्लिनिकल अभिरुचि तेजी से बढ़ी है।

नेशनल इंस्टीट्यूट्स ऑफहेल्थ (एनआईएच) एवं हार्वर्ड मेडिकल स्कूल जैसे बड़े संस्थानों और 'लैंसेट' जैसी कई प्रतिष्ठित शोध-पत्रिकाओं ने अपने शोधों में इस तथ्य को दर्शाया है कि नियमित रूप से योग करने से बुजुर्गों में संतुलन, लचीलापन और चलने-फिरने की क्षमता सुरक्षित रूप से बेहतर होती है। इससे उनके गिरने का डर और जोखिम काफी कम हो जाता है। शोधों से यह भी पता चला है कि योग से हड्डियों की मजबूती (बोन डेंसिटी) बढ़ती है, गठिया का दर्द कम होता है, सांस लेने की क्षमता बेहतर होती है, रक्तचाप (ब्लड प्रेशर) स्थिर रहता है और मानसिक सेहत अच्छी रहती है। साथ ही, ध्यान और सांस लेने के व्यायाम से बुजुर्गों की नींद की गुणवत्ता, कठिन परिस्थितियों का सामना करने की मानसिक क्षमता और सोचने-समझने की शक्ति (कॉग्निटिव फंक्शनिंग) में भी सुधार देखा गया है।

लेकिन मैं इस बात पर जोर देना चाहूंगा कि योग की असली ताकत उसके समग्र स्वरूप में निहित है। शारीरिक सुधार से कहीं आगे बढ़कर, योग भावनात्मक संतुलन और सामाजिक जुड़ाव को बढ़ावा देता है। मैंने देखा है कि आज बुजुर्गों के बीच अकेलेपन का बढ़ता अहसास एक बहुत बड़ी चुनौती बन गया है। योग धीरे-धीरे इस अकेलेपन को सामूहिक जुड़ाव की भावना में बदल देता है। यह लोगों को मैं-केंद्रित सोच से हटाकर सहानुभूति, आपसी जुड़ाव एवं आंतरिक शांति पर आधारित हम-केंद्रित सोच की ओर ले जाता है।

मेरे अपने अनुभव के अनुसार, अहम बात यह है कि 'स्वस्थ बुढ़ापे के लिए योग' में बहुत अधिक शारीरिक मेहनत की जरूरत नहीं होती। पारंपरिक योग क्रियाओं को काफी सोच-समझकर ऐसे सरल एवं सुलभ तरीकों में ढाला गया है जो बुजुर्गों के लिए उपयुक्त हैं। इनमें योगिक सूक्ष्म व्यायाम (जोड़ों की हल्की हरकतें), कुर्सी की मदद से किए जाने वाले आसन, सांस लेने की निर्देशित तकनीकें और ध्यान जैसी क्रियाएं शामिल हैं। ये सब बढ़ती आयु के शरीर पर बिना कोई दबाव डाले न्यूरोएंडोक्राइन प्रणाली और रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाते हैं।

साथ ही, योग उन देखभाल करने वालों और परिवार के सदस्यों के लिए भी हौसले एवं सहनशक्ति का स्रोत है, जो बुजुर्गों की देखभाल की भावनात्मक तथा शारीरिक जिम्मेदारियां उठाते हैं। इन व्यापक लाभों को देखते हुए, आयुष मंत्रालय ने गैर-संचारी रोगों और लक्षित समूहों के लिए योग की 10 विधाओं से जुड़ी एक अहम पहल शुरू की है। इसमें बुजुर्गों की सेहत के लिए खास तौर पर साक्ष्यों पर आधारित योग मॉड्यूल भी शामिल है। इसके अलावा, 100 दिनों का मुफ्त निर्देशित ऑनलाइन योग कार्यक्रम प्रदान करने वाले 'योग 365' पहल नाम के एक देशव्यापी अभियान को कुछ इस तरह से तैयार किया गया है ताकि योग सभी आयु के नागरिकों की रोजमर्रा की जिंदगी का एक सहज एवं स्थायी साथी बन सके।

दो हजार से भी अधिक वर्ष पहले, महान तमिल विद्वान एवं संत तिरुवल्लुवर ने 'कुरल' (949) के जरिए सेहत से संबंधित एक व्यक्ति-केंद्रित दृष्टिकोण की हिमायत की थी। उन्होंने कहा था, उपचार शुरू करने से पहले मरीज की हालत, बीमारी की प्रकृति और उपयुक्त समय पर विचार करें। यह शाश्वत समझ स्वस्थ बुढ़ापे के लिए योग के आधुनिक सिद्धांतों से मेल खाती है, जहां व्यक्ति की उम्र, सेहत और जरूरतों के हिसाब से अभ्यास को सावधानी से अपनाया जाता है ताकि लोग बुढ़ापे में भी अधिक स्वस्थ, सक्रिय और सम्मानजनक जीवन जी पाएं।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 के अवसर पर मैं हर नागरिक, शिक्षण संस्थान, नागरिक समाज संगठन, स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े पेशेवर और समुदायों के नेता से आग्रह करता हूं कि वे योग को केवल कभी-कभार की जाने वाली कसरत के रूप में नहीं, बल्कि जीवन भर चलने वाली सांस्कृतिक एवं सेहत से जुड़ी एक आदत के तौर पर अपनाएं। किसी समाज की असल पहचान इस बात से होती है कि वह अपने बुजुर्गों का कितना ख्याल रखता है। इसलिए, आइए हम एक ऐसा इकोसिस्टम बनाने की कोशिश करें जहां हमारे बुजुर्ग डर, निर्भरता या अकेलेपन के बीच नहीं, बल्कि सम्मान, जोश, सार्थक उद्देश्य और शांति के साथ जीवन जी सकें। योग को जीवन का एक लय बनाकर, हम सब मिलकर यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि हमारे नागरिकों के जीवन के सुनहरे वर्ष सचमुच सेहत, सामंजस्य और संतुष्टि से भरे हों!

(लेखक भारत के उपराष्ट्रपति हैं)

मां के हाथों से बने खाने की याद भुलाई नहीं जा सकती

शीला भट्ट

मुझे शायद ही कभी अपने या अपने परिवार के लिए खुद खाना पकाना पड़ा है। भारतीय समाज में किसी भी महिला के लिए यह बहुत ही दुर्लभ अपवाद है। इस अर्थ में मैं विशेषाधिकार प्राप्त हूं। मेरे दिवंगत पति और प्रसिद्ध पत्रकार-लेखक कांति भट्ट को खाना बनाना आता था।

जब भी उन्हें अपना पसंदीदा 'कच्चा-पक्का खाना' खाना होता, वे अपने लिए खुद पकाते थे। अगर उनके हाथों से लौकी की सब्जी भी अच्छी बन जाती, तो वे उस खुशी को पाठकों से साझा किए बिना नहीं रह पाते। अगले दिन अपने दैनिक कॉलम में वे उसका जिक्र करते। वे भोजन को एक समग्र दृष्टिकोण से समझते थे।

हालांकि यह बात थोड़ी अजीब लग सकती है, लेकिन बिना कड़ी मेहनत किए रोज का खाना थाली में मिल जाना संतुष्टि की कोई गारंटी नहीं है। खासतौर पर, जब से ये ऐप आए हैं, जो ऑनलाइन खाना मंगाने में मदद करते हैं, मुझे यह और अधिक महसूस होने लगा है कि अपना खाना खुद पकाने या अपने प्रियजनों के लिए खाना बनाने में कुछ बहुत सुंदर है।

जितना अधिक मैं इन ऐप्स का इस्तेमाल करती हूं, उतना ही मुझे घर के बने खाने की कीमत समझ आती है। और निश्चित रूप से, हम सभी अपनी मां के हाथ के खाने के रसिक होते हैं। मैं भी उन अधिकांश भारतीयों से अलग नहीं हूं, जिनके पास मां के हाथ से बने खाने की अमिट यादें हैं।

पिछले चार दशकों में मैं अपने भोजन से कभी पूरी तरह संतुष्ट नहीं रही हूं। इसका बड़ा कारण यह है कि मां एक बेहतरीन कुक थीं। शादी के बाद से मैं कभी भी उनके बनाए अद्भुत व्यंजनों को नहीं भूल पाई हूं। मैंने 1979 में, यानी 47 साल पहले मां का घर छोड़ दिया था, लेकिन मां के हाथ के खाने का स्वाद कभी भी मेरे मुंह से नहीं गया।

मेरे पास इस बात का विश्लेषण करने के लिए वैज्ञानिक प्रतिभा नहीं है, लेकिन मैं जानती हूं कि उस खाने के स्वाद की स्मृति क्यों आज भी मेरी आंखों को नम कर देती है। मेरा मानना है कि मांएं खाना बनाते समय अपना दिल उसमें उड़ेल देती हैं।

जब जीवन आपको कोई आघात देता है, तो आपको याद आता है कि मां कैसे चुपचाप हमें उसके दंश को कम करने के लिए संभाल लेती थीं। उनका मन लगातार सोचता रहता था और उनके हाथ कोई ऐसा व्यंजन बना देते थे, जो कठिन समय में हमें शांत कर सके।

जब मेरा दिल टूटता तो मां मेरे पसंदीदा दहीबड़े बनातीं और हल्की मुस्कान के साथ मुझे परोसतीं। मैं जीवन के उस पड़ाव पर हूं, जहां मुझे अपनी पसंदीदा कार या कपड़े नहीं खरीदने का पछतावा नहीं है। लेकिन मुझे इस बात का गहरा अफसोस है कि मैंने मां से कभी नहीं पूछा कि 'मेथी नुं वेषण' बनाने की विधि क्या है? मां मेथी की ताजा पत्तियों को बेसन के आटे के साथ पकाती थीं। वे कभी इसे सूखी डिश की तरह बनातीं और कभी इसमें छाछ मिलाती थीं। वे हींग और राई के बारीक तड़के की मदद से मेथी के स्वाद को संतुलित कर देती थीं।

मेरे पति को एक बार इस बात का अफसोस हुआ था कि हमारा रिश्ता उतना परिपूर्ण, परिपक्व या उतना गहराई से रचा-बसा नहीं हो सकता, जितना मेरा रिश्ता मां के साथ है। मैंने पूछा, क्यों? कांति ने कहा, क्योंकि उसे उनके खाने ने मजबूती से बांधे रखा था।

मैं आपको मां के हाथों की बनी रोटियों का एक अंदाजा देती हूं। उन्होंने गुजराती रोटली बनाने की कला में पूर्णता हासिल कर ली थी। वे उसे हमेशा गेहूं के आटे से बनाती थीं। मुलायम लोई उनके बेलन के नीचे एक सटीक लय में गोल-गोल घूमती थी। उनका पाटलो हमेशा चूल्हे के पास रखा रहता था।

पिछले 55 वर्षों में मुंबई स्थित उनके घर की रसोई में पाटलो की जगह कभी नहीं बदली। जब रोटी को चूल्हे पर सेंका जाता, तो वह एकदम सही गोल आकार की फूली हुई बन जाती। रेशम जैसी मुलायम। वह मेरे मुंह में घुल जाती थी। उनकी रोटियां कागज जितनी पतली होती थीं।

मां के हाथों के स्पर्श के बिना मेरे लिए कोई भी भोजन 10 में से 10 नहीं रहा है। शादी के बाद मेरी मां पूरी तरह समझती थीं कि रोज उनके हाथ के खाने से वंचित रहने का मेरा दुःख क्या है। उनकी रोटली ने मुझे बहुत लाड़-प्यार दिया था।

एक बार उन्होंने मुझे सलाह दी कि मैं अपनी पंजाबी मकान मालकिन से वैसी रोटियां बनाने के लिए कहूं, जैसे वे बनाती हैं। मैंने मां से कहा, मैं उनको कैसे समझाऊं कि मुझे रोटली खाना पसंद है, रोटला नहीं!

शादी के बाद से मैं कभी भी मां के बनाए गुजराती व्यंजनों, उनके स्वाद और उनकी रोटली को नहीं भूल पाई हूं। मां के खाने की यह चाहत भारत में असामान्य नहीं है। अधिकांश बच्चों के लिए मां का खाना ही पाक-कला का सर्वोच्च मानक होता है।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

युवाओं को जीवटता से जीने की मिले सीख

विवेक शर्मा

शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य ऐसे आत्मविश्वासी, संवेदनशील और रचनात्मक नागरिक तैयार करना है जो बदलती दुनिया की चुनौतियों का सामना कर सकें। किसी भी समाज का भविष्य अंततः उन युवाओं पर निर्भर करता है जो संतुलित, मानवीय और जीवन के वास्तविक अर्थ को समझने वाले भी हों।

आज देश के लाखों परिवार अपने बच्चों की सफलता के सपने कोचिंग संस्थानों के भरोसे बुन रहे हैं। डॉक्टर, इंजीनियर या प्रशासनिक अधिकारी बनने की आकांक्षा में किशोर उम्र से ही बच्चे ऐसी प्रतिस्पर्धा में उतर जाते हैं, जहां हर परीक्षा भविष्य का फैसला और हर रैंक पहचान का पैमाना बन जाती है। बढ़ती प्रतिस्पर्धा, सीमित अवसरों और सामाजिक अपेक्षाओं ने कोचिंग संस्कृति को शिक्षा व्यवस्था का अभिन्न हिस्सा बना दिया है। लेकिन इस चमकदार सफलता के पीछे एक दूसरा सच भी छिपा है, जिसमें बढ़ता मानसिक दबाव, सिमटता बचपन और अंकों तक सीमित होती शिक्षा शामिल है। तो क्या हम युवाओं को जीवन के लिए शिक्षित कर रहे हैं या केवल परीक्षाओं के लिए तैयार कर रहे हैं?

भारत दुनिया के सबसे अधिक युवाओं वाले देशों में शामिल है। देश की लगभग 65 प्रतिशत आबादी 35 वर्ष से कम आयु की है। यह स्थिति भारत को जनसांख्यिकीय लाभांश का अवसर देती है, लेकिन इसके साथ एक बड़ी चुनौती भी जुड़ी हुई है। हर वर्ष करोड़ों युवा उच्च शिक्षा और रोजगार के सीमित अवसरों के लिए प्रतिस्पर्धा करते हैं। वर्ष 2025 में जेईई मेन परीक्षा में करीब 15 लाख विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया, जबकि आईआईटी में सीटें लगभग 20 हजार हैं। इसी प्रकार सरकारी मेडिकल कॉलेजों की एक लाख से कम सीटों के लिए लगभग 25 लाख अभ्यर्थियों ने नीट यूजी परीक्षा दी। ये आंकड़े बताते हैं कि प्रतियोगिता अब केवल कठिन नहीं, बल्कि अत्यधिक तीव्र और तनावपूर्ण हो चुकी है।

विभिन्न अध्ययनों के अनुसार भारत का कोचिंग उद्योग 50 हजार करोड़ रुपये से अधिक का हो चुका है। कोटा, दिल्ली, हैदराबाद और प्रयागराज जैसे शहर प्रमुख कोचिंग केंद्र बन गए हैं। हजारों विद्यार्थी घरों से दूर रहकर तैयारी करते हैं और अनेक परिवार अपनी बचत का बड़ा हिस्सा इस पर खर्च कर देते हैं। शिक्षा अब ऐसा निवेश बनती जा रही है, जिसके बदले सफलता की कोई निश्चित गारंटी नहीं होती।

कोचिंग संस्थानों ने अनेक विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन और प्रतिस्पर्धी माहौल उपलब्ध कराया है। छोटे शहरों के कई छात्रों ने इनके माध्यम से राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में सफलता हासिल की है। लेकिन इसके साथ

डमी एडमिशन जैसी प्रवृत्ति भी बढ़ी है। अनेक विद्यार्थी केवल औपचारिक रूप से स्कूलों में दाखिला ले लेते हैं और उनका अधिकांश समय कोचिंग संस्थानों में बीतता है। इससे खेलकूद, सांस्कृतिक गतिविधियों और व्यक्तित्व विकास के अवसर सीमित हो जाते हैं।

इस पूरी व्यवस्था का सबसे गंभीर असर विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य पर दिखाई देता है। नियमित टेस्ट, रैंकिंग, प्रदर्शन की तुलना और लगातार बेहतर करने का दबाव बच्चों को मानसिक रूप से थका देता है। असफलता का भय उन्हें चिंता, तनाव और अवसाद की ओर धकेलता है। कई विद्यार्थियों को यह महसूस होने लगता है कि उनका पूरा भविष्य एक परीक्षा के परिणाम पर निर्भर है। यही कारण है कि हाल के वर्षों में विद्यार्थियों की आत्महत्या की घटनाएं चिंता का विषय बनी हुई हैं। सफलता की यह दौड़ कई बार युवाओं के लिए असहनीय बोझ बन जाती है।

हालांकि इस स्थिति के लिए केवल कोचिंग संस्थानों को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। अभिभावकों और समाज की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। अधिकांश माता-पिता बच्चों का भविष्य सुरक्षित देखना चाहते हैं, लेकिन कई बार उनकी अपेक्षाएं अनजाने में दबाव का कारण बन जाती हैं। हमारे समाज में आज भी डॉक्टर, इंजीनियर या प्रशासनिक अधिकारी बनने को ही सफलता का सबसे बड़ा पैमाना माना जाता है। परिणामस्वरूप अनेक विद्यार्थी अपनी रुचि और क्षमता के बजाय सामाजिक अपेक्षाओं के अनुरूप करियर चुनने के लिए विवश हो जाते हैं।

वास्तविकता यह है कि नई अर्थव्यवस्था ने अवसरों के अनेक नए द्वार खोले हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस, साइबर सुरक्षा, डिजिटल मीडिया और उद्यमिता जैसे क्षेत्रों में तेजी से संभावनाएं बढ़ रही हैं। युवाओं को अपनी रुचि और क्षमता के अनुसार करियर चुनने की स्वतंत्रता मिलनी चाहिए।

कोचिंग संस्कृति का बढ़ता प्रभाव हमारी औपचारिक शिक्षा व्यवस्था पर भी गंभीर प्रश्न खड़े करता है। यदि स्कूल विद्यार्थियों को मजबूत शैक्षणिक आधार, गुणवत्तापूर्ण शिक्षण और तार्किक समझ प्रदान कर पा रहे होते, तो कोचिंग की आवश्यकता इतनी व्यापक नहीं होती। स्कूलों में शिक्षकों की कमी, रटने पर आधारित शिक्षा और व्यावहारिक ज्ञान की उपेक्षा ने इस निर्भरता को बढ़ाया है। नई शिक्षा नीति ने शिक्षा को अधिक कौशल आधारित और बहुआयामी बनाने की दिशा में पहल की है, लेकिन उसके प्रभावी क्रियान्वयन की आवश्यकता है। आज जरूरत शिक्षा व्यवस्था में संतुलन स्थापित करने में है। स्कूलों की गुणवत्ता में सुधार, प्रभावी करियर परामर्श, विद्यार्थियों के लिए मनोवैज्ञानिक सहायता, अभिभावकों में जागरूकता और सफलता की व्यापक परिभाषा विकसित करना समय की मांग है। शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य ऐसे आत्मविश्वासी, संवेदनशील और रचनात्मक नागरिक तैयार करना है जो बदलती दुनिया की चुनौतियों का सामना कर सकें। किसी भी समाज का भविष्य अंततः उन युवाओं पर निर्भर करता है जो संतुलित, मानवीय और जीवन के वास्तविक अर्थ को समझने वाले भी हों।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

कक्षा पहली, 6वीं और 9वीं के बच्चों को पाठ्यपुस्तक दिए गए

भिलाई। दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने शुक्रवार को संकुल केंद्र तिरगा में आयोजित संकुल स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव में शामिल होकर नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं का तिलक लगाकर, मुंह मीठा कराकर आत्मीय स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने कक्षा पहली, कक्षा 6वीं व कक्षा 9वीं के नवप्रवेशी बच्चों को नि:शुल्क पाठ्यपुस्तक और शाला गणवेश प्रदान किया। इस अवसर पर स्कूली बच्चों ने रंगारंग संस्कृति कार्यक्रम की अनुपम प्रस्तुति दी। साथ ही विभिन्न कक्षाओं में प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभावान छात्र छात्राओं को सम्मानित किया गया।

स्थाई लोक अदालत दुर्ग में सदस्यों की नियुक्ति

भिलाई। स्थाई और निरंतर लोक अदालत दुर्ग में रिक्त पड़े सदस्यों के पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है। अब दो सदस्यों की नियुक्ति होने से जनोपयोगी सेवाओं से संबंधित प्रकरणों की नियमित सुनवाई पुन: सुचारू रूप से शुरू हो सकेगी। सुषमा लकड़ा, अध्यक्ष, स्थाई और निरंतर लोक अदालत (जनोपयोगी सेवाएं) दुर्ग ने बताया कि इस व्यवस्था का उद्देश्य जनोपयोगी सेवाओं से संबंधित विवादों का त्वरित, सस्ता और सौहार्दपूर्ण निराकरण सुनिश्चित करना है, जिससे आम नागरिकों को न्यायालयीन प्रक्रिया की जटिलताओं एवं अनावश्यक विलंब से राहत मिल सके।

निषाद समाज के मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान कल

भिलाई। छत्तीसगढ़ मछुआ महासंघ कल्याण समिति द्वारा मेधावी एवं प्रतिभावान छात्र-छात्राओं के सम्मान के लिए विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह सम्मान समारोह 21 जून को सुबह 11 बजे से राम जानकी मंदिर परिसर स्थित निषाद समाज सामुदायिक भवन, महादेव घाट, रायपुर में होगा। समिति द्वारा कक्षा 10वीं एवं 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं में 80 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं के साथ-साथ कला एवं खेल के क्षेत्र में राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर समाज का नाम गौरवान्वित करने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाएगा। छग मछुआ महासंघ कल्याण समिति के प्रदेश युवा प्रभाग मंत्री बिरेंद्र कुमार निषाद ने बताया कि पात्र छात्र-छात्राओं एवं खिलाड़ियों का पंजीयन किया जा रहा है।

ऑनलाइन हाजिरी नहीं लगाई तो नहीं मिलेगा जून का वेतन

दुर्ग। सरकारी स्कूलों और शिक्षा विभाग के दफ्तरों में अब मर्जी से आने-जाने वाले दिन लद गए हैं। अगर उपस्थिति ऑनलाइन दर्ज नहीं हुई, तो इस महीने (जून) की सैलरी अटक जाएगी। विभाग ने इसके लिए सभी संभागीय संयुक्त संचालकों, जिला शिक्षा अधिकारियों और ब्लॉक एजुकेशन ऑफिसर्स को सख्त निर्देश जारी कर दिए हैं। 16 जून से प्रदेश की सभी शालाओं में कार्यरत शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक स्टाफ के लिए विद्या समीक्षा केंद्र (वीएसके) के माध्यम से हाजिरी लगाना अनिवार्य कर दिया गया है।

केन्द्रीय मंत्री पीयूष गोयल के नेतृत्व में लंदन जा रहे डेलीगेशन में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करेंगे जितेन्द्र

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। उद्योग चेम्बर के अध्यक्ष जितेंद्र गुप्ता भारत सरकार एवं उद्योग जगत के सहयोग से यूनाइटेड किंगडम के लंदन में आयोजित उच्चस्तरीय बिजनेस डेलिगेशन में शामिल होने के लिए 23 जून को लंदन जाएंगे। इस डेलिगेशन का नेतृत्व भारत सरकार के केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री माननीय श्री पीयूष गोयल जी कर रहे हैं।

इस महत्वपूर्ण बैठक में उद्योग, व्यापार तथा निवेश से जुड़े विभिन्न विषयों पर व्यापक चर्चा की जाएगी। साथ ही भारत और यूनाइटेड किंगडम के बीच व्यापारिक एवं औद्योगिक संबंधों को और अधिक सशक्त बनाने के अवसरों पर भी विचार-विमर्श होगा।

श्री जितेंद्र गुप्ता वैश्विक मंच पर भिलाई एवं छत्तीसगढ़ की औद्योगिक क्षमता, संभावनाओं तथा यहां के उद्योग जगत की विशेषताओं को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करेंगे। उनके इस प्रतिनिधित्व

से प्रदेश के उद्योगों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिलने के साथ-साथ निवेश एवं व्यापार के नए अवसरों का मार्ग भी प्रशस्त होने की उम्मीद है। श्री गुप्ता की यह यात्रा न केवल भिलाई बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ के लिए महत्वपूर्ण सिद्ध होगी तथा प्रदेश के औद्योगिक विकास को नई गति प्रदान करेगी।

विशेष अवसर के लिए चेम्बर ऑफ कॉमर्स के प्रदेश महामंत्री अजय भसीन, भिलाई चेम्बर अध्यक्ष गार्गी शंकर मिश्रा, चैयरमैन दिनकर बसोतिया ,उद्योग चेम्बर के पदाधिकारियों व चेम्बर के पदाधिकारियों ने जितेंद्र गुप्ता जी को बधाई व शुभकामनाये दी।

जितेंद्र गुप्ता ने उद्योग जगत के सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे छत्तीसगढ़ की औद्योगिक क्षमता, उद्यमशीलता तथा 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' की भावना को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने का प्रयास करेंगे।

बीएसपी के बार एंड रॉड मिल ने बनाया सबसे अधिक एक दिवसीय उत्पादन का नया कीर्तिमान

सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए उत्पादन लक्ष्यों की प्राप्ति

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र की बार एवं रॉड मिल (बीआरएम) ने उत्पादन के क्षेत्र में एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए नया एक दिवसीय उत्पादन कीर्तिमान स्थापित किया। बीआरएम की टीम ने 18 जून 2026 को 16 एमएम टीएमटी बार श्रेणी में 4057 टन (1972 बिलेट्स) उत्पादन कर नया रिकॉर्ड बनाया। इससे पूर्व यह कीर्तिमान 12 फरवरी 2026 को 4046 टन (1967 बिलेट्स) उत्पादन के साथ स्थापित किया गया था। इस उपलब्धि पर कार्यपालक निदेशक (संकार्य) राकेश कुमार ने बार एवं रॉड मिल का दौरा कर अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई दी तथा उनका उत्साहवर्धन किया।

अपने संबोधन में राकेश कुमार ने कहा कि सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए उत्पादन लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित करना संयंत्र की मूल प्रतिबद्धता है। उन्होंने

360 डिग्री ऑब्जर्वेशन, टूल बॉक्स टॉक तथा सेफ्टी टॉक जैसी सुरक्षा प्रक्रियाओं के महत्व पर बल देते हुए उनके शत-प्रतिशत अनुपालन का आह्वान किया। साथ ही उन्होंने टीम को वार्षिक उत्पादन लक्ष्यों की प्राप्ति की दिशा में निरंतर प्रयास करते हुए नए कीर्तिमान स्थापित करने के लिए प्रेरित किया।

वहीं विभागाध्यक्ष एवं मुख्य महाप्रबंधक योगेश शास्त्री ने इस उपलब्धि को बीआरएम की सुरक्षा प्रथम कार्य-संस्कृति तथा टीम भावना का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि यह सफलता संचालन से लेकर प्रबंधन तक पूरे कार्यबल के समर्पण, दक्षता एवं सतत प्रयासों का प्रतिफल है। उन्होंने उत्पादन क्षमता वृद्धि, गुणवत्ता सुधार तथा परिचालन उत्कृष्टता की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए प्रबंधन, कर्मचारियों, यूनियन एवं सहयोगी विभागों के प्रति उनके निरंतर सहयोग और समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर महाप्रबंधक (विद्युत) आशीष ने चुनौतीपूर्ण प्रोफाइलों में रोलिंग रेट में सुधार कर उत्पादन क्षमता बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया तथा विश्वास व्यक्त किया कि बीआरएम की टीम सामूहिक प्रयासों के बल पर चालू वित्तीय वर्ष के निर्धारित लक्ष्यों को सफलतापूर्वक प्राप्त करेगी।

उल्लेखनीय है कि बार एवं रॉड मिल में कुशल मानव संसाधन, तकनीकी दक्षता तथा प्रभावी परिचालन प्रबंधन के समन्वित प्रयासों से उच्च गुणवत्ता वाले इस्पात उत्पादों का उत्पादन किया जा रहा है। संयंत्र द्वारा निर्मित उत्पाद देश की विभिन्न आधारभूत संरचना एवं विकास परियोजनाओं में उपयोग किए जा रहे हैं।

माय-एफएम में पांचवीं बार गोल्ड जीतकर जीशान ने रचा नया कीर्तिमान

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। देशभर के माय एफएम स्टेशनों के बीच आयोजित प्रतिष्ठित माय एफएम हीरो अवार्ड्स में इस वर्ष सैयद जिशान अली को मारकॉम मार्केटिंग एंड कम्युनिकेशन श्रेणी में स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। यह सम्मान पूरे वर्ष किए गए कार्यों, नवाचारों, अभियानों की सफलता तथा संगठन में दिए गए योगदान के मूल्यांकन के आधार पर प्रदान किया जाता है।

सैयद जिशान अली ने यह प्रतिष्ठित गोल्ड अवॉर्ड लगातार पांचवीं बार अपने नाम किया है। यह उपलब्धि उनके समर्पण, मेहनत, रचनात्मक सोच और उत्कृष्ट कार्यशैली का प्रमाण है।

जयपुर में आयोजित भव्य समारोह में देशभर के माय एफएम स्टेशनों से जुड़े अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति में यह सम्मान प्रदान किया गया। बेस्ट मारकॉम श्रेणी में गोल्ड अवॉर्ड प्राप्त कर सैयद जिशान अली ने न केवल अपने स्टेशन बल्कि पूरे क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है।

संगठन के वरिष्ठ अधिकारियों ने उनकी उपलब्धि की सराहना करते हुए कहा कि जिशान ने वर्षभर विभिन्न ब्रांडिंग, मार्केटिंग और कम्युनिकेशन अभियानों के माध्यम से उल्लेखनीय परिणाम दिए हैं। उनकी रणनीतिक सोच, नवाचार और कार्य के प्रति प्रतिबद्धता ने उन्हें लगातार सफलता दिलाई है। सैयद जिशान अली ने इस सम्मान का श्रेय अपनी टीम, सहयोगियों और प्रबंधन को दिया है।

12 साल विश्वास, विकास और जनकल्याण के शासकीय योजनाओं का लाभ लेने उमड़े नागरिक

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में प्रदेशभर में चलाए जा रहे 12 साल विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के अभियान के अंतर्गत नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा आयोजित तीन दिवसीय वृहद पंजीयन शिविर का आज दूसरा दिन उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। श्रद्धेय मोतीलाल वोरा सभागार में 18 से 20 जून तक आयोजित इस विशेष शिविर में बड़ी संख्या में नागरिक पहुंचकर विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लिए पंजीयन करा रहे हैं। शिविर का समापन 20 जून को होगा।

शिविर का उद्देश्य केंद्र एवं राज्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र नागरिकों तक पहुंचाना तथा उन्हें योजनाओं की जानकारी एवं आवश्यक मार्गदर्शन उपलब्ध कराना है। दूसरे दिन भी सुबह 11 बजे से नागरिकों की आवाजाही लगातार बनी रही। लोगों ने विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत आवेदन प्रस्तुत कर पंजीयन कराया तथा योजनाओं की जानकारी प्राप्त की।

विभिन्न योजनाओं के लिए किया जा रहा पंजीयन एवं मार्गदर्शन शिविर में आयुष्मान भारत योजना, आयुष्मान वय वंदना योजना, पीएम सूर्यघर योजना, पीएम स्वनिधि योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना तथा विभिन्न पेंशन योजनाओं के लिए पंजीयन एवं मार्गदर्शन की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। पात्र हितग्राहियों को आवश्यक दस्तावेजों, पात्रता शर्तों तथा आवेदन प्रक्रिया की भी विस्तृत जानकारी दी जा रही है। आज अध्यक्ष नगर पंचायत उतई सरस्वती नरेंद्र साहू एवं पार्षद नगर पंचायत उतई एवं नोडल अधिकारी व उपायुक्त मोहेंद्र साहू शिविर में लगाए गए विभिन्न विभागीय स्टॉलों का निरीक्षण कर कर्मचारियों से योजनाओं की प्रगति एवं पंजीयन की स्थिति की जानकारी ली।

शिविर में दुर्ग नगर पालिक निगम, नगर निगम रिसाली, नगर पालिक निगम भिलाई, नगर पंचायत उतई, जनपद पंचायत, खाद्य विभाग, राजस्व विभाग, समाज कल्याण विभाग, विद्युत विभाग, क्रेडा, महिला एवं बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग, आयुष विभाग, वन विभाग, आयुष्मान कार्ड, आधार कार्ड, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना सहित विभिन्न विभागों एवं योजनाओं के स्टॉल लगाए गए हैं।

भिलाई को और भी हरा-भरा बनाने छेड़ा अभियान, सेक्टर-4 उद्यान में रोपे गए पौधे

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा शहर को हरा-भरा बनाने, पर्यावरण संरक्षण एवं ऊर्जा संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से व्यापक स्तर पर पौधारोपण अभियान चलाया जा रहा है।

इसी क्रम में शुक्रवार को जोन-5 क्षेत्रांतर्गत सेक्टर-04 स्थित सड़क क्रमांक 25 एवं 26 के मध्य उद्यान में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में जोन आयुक्त अजय गौर के नेतृत्व में विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे गए। इस अवसर पर स्थानीय पार्षद ईश्वरी नेताम, पूर्व पार्षद रिंकू साहू, उद्यान अधिकारी तिलेश्वर साहू, सहायक अभियंता श्वेता महेश्वर, उप अभियंता शंकर सुमन मरकाम, सहायक राजस्व अधिकारी अनिल मेश्राम, जोन स्वास्थ्य अधिकारी सागर दुबे, पर्यावरण मित्र मंडल से बालूराम वर्मा एवं अन्य संस्था के

प्रतिनिधियों सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

उद्यान अधिकारी ने कहा कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखने एवं आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और हरित वातावरण उपलब्ध कराने के लिए पौधारोपण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने नागरिकों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने की अपील की।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने पौधों के संरक्षण का संकल्प लिया तथा नागरिकों को भी पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया। निगम द्वारा आगामी दिनों में भी विभिन्न क्षेत्रों में वृहद पौधारोपण अभियान जारी रखा जाएगा, जिससे भिलाई को हरित एवं स्वच्छ शहर के रूप में विकसित किया जा सके।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियां तेज

योग संगम और योगा फॉर हेल्दी एजिंग पर मनेगा योग दिवस

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। 21 जून 2026 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जिला स्तरीय योग कार्यक्रम का भव्य आयोजन मालवीय नगर चौक स्थित खालसा पब्लिक स्कूल में किया जाएगा। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय, नई दिल्ली के दिशा-निर्देशों के अनुरूप आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम की थीम 'योग संगम' एवं 'योगा फॉर हेल्दी एजिंग' रखी गई है। कार्यक्रम प्रात: 7 बजे से 7:45 बजे तक आयोजित होगा।

कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लेने हेतु कलेक्टर अभिजीत सिंह ने नगर पालिक निगम आयुक्त सुमित अग्रवाल, कार्यपालन अभियंता मो. सलीम सिद्दीकी,जिला आयुष अधिकारी डॉ दिनेश चंद्रवंशी,प्रफुल्ल गुप्ता,सहायक अभियंता हरिशंकर साहू, मोहित मरकाम, अपर्णा मिश्रा, दुर्गेश गुप्ता सहित अधिकारी मौजूद रहे।

सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने आयोजन की सफलता एवं सुचारू संचालन के लिए विभिन्न विभागों को आवश्यक जिम्मेदारियां सौंपते हुए सभी व्यवस्थाएं समयपूर्व पूर्ण करने के निर्देश दिए।

बारिश को देखते हुए वैकल्पिक व्यवस्था के निर्देश, प्रतिभागियों के लिए नाश्ता व पेयजल की रहेगी सुविधा

कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान कार्यक्रम स्थल पर साफ-सफाई, टेंट, दरी, गद्दे, बैठक व्यवस्था एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कहा कि वर्तमान में वर्षा ऋतु को देखते हुए मैदान के साथ-साथ भवन के भीतर भी पर्याप्त वैकल्पिक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं, ताकि किसी भी परिस्थिति में कार्यक्रम प्रभावित न हो।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि योग दिवस में शामिल होने वाले विशिष्ट अतिथियों एवं प्रतिभागियों के लिए पौष्टिक स्वल्पाहार (नाश्ता) तथा पेयजल की समुचित व्यवस्था की जाए। साथ ही सभी विभाग आपसी समन्वय स्थापित कर योग दिवस के इस गरिमामय आयोजन को सफल, व्यवस्थित एवं सुरक्षित ढंग से संपन्न कराएं।

कलेक्टर ने जिला स्तरीय कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लेने खालसा स्कूल परिसर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्यक्रम में बड़ी संख्या में प्रतिभागियों के शामिल होने की संभावना को देखते हुए सभी व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित एवं बेहतर हों।

पावरलिफ्टिंग में दुर्ग की टीम ने जीते पांच स्वर्ण

भिलाई। पावर लिफ्टिंग एसोसिएशन गोंदिया और यूनाइटेड पावर लिफ्टिंग एसोसिएशन के संयुक्त आयोजन में वेस्ट जोन पावरलिफ्टिंग प्रतियोगिता हुई, जिसमें दुर्ग की टीम ने छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करते हुए 5 स्वर्ण और 2 रजत पदक जीते। जीतेश यादव ने 56 किग्रा सब जूनियर में स्वर्ण, प्रभाष कुमार नेताम ने 62 किग्रा जूनियर में स्वर्ण, 56 किग्रा वर्ग समूह में सब जूनियर-जीतेश यादव ने स्वर्ण, जूनियर सुभाष यादव ने स्वर्ण, 62 किग्रा वर्ग समूह में जूनियर प्रभाष कुमार नेताम ने स्वर्ण, इसी वर्ग समूह जूनियर में पूर्वज कुमार यादव ने रजत, 69 किलोग्राम वर्ग समूह में मास्टर-2 के खिलाड़ी अरविंद उके ने स्वर्ण और जूनियर वर्ग में ऋषभ यादव ने स्वर्ण, 94 किग्रा समूह में चैतराम सिन्हा ने रजत पदक हासिल किया।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size
CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

खास-खबर

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार-2026 के लिए नामांकन आमंत्रित

रायपुर। बच्चों की असाधारण प्रतिभा, नवाचार, साहस और सामाजिक योगदान को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार-2026 के लिए नामांकन आमंत्रित किए गए हैं। महिला एवं बाल विकास विभाग ने प्रदेश के प्रतिभाशाली बच्चों, अभिभावकों, शिक्षण संस्थानों तथा सामाजिक संगठनों से अधिक से अधिक संख्या में आवेदन करने की अपील की है। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार देश का सर्वोच्च बाल सम्मान माना जाता है, जो उन बच्चों को प्रदान किया जाता है जिन्होंने वीरता, सामाजिक सेवा, पर्यावरण संरक्षण, खेल, कला एवं संस्कृति तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हों। यह प्रतिष्ठित सम्मान भारत के राष्ट्रपति द्वारा प्रदान किया जाता है। विभागीय जानकारी के अनुसार 5 से 18 वर्ष आयु वर्ग के बच्चे इस पुरस्कार के लिए पात्र हैं। नामांकन की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026 निर्धारित की गई है। इच्छुक बच्चे स्वयं भी आवेदन कर सकते हैं।

बाल संरक्षण और पुनर्वास की दिशा में छत्तीसगढ़ में चला व्यापक अभियान

रायपुर। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बाल सक्षम नीति-2022 के प्रभावी क्रियान्वयन के तहत पूरे प्रदेश में 1 जून से 30 जून 2026 तक विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य सड़क जैसी विषम परिस्थितियों में जीवनयापन कर रहे, भिक्षावृत्ति, बाल श्रम, कचरा संग्रहण जैसे कार्यों में संलग्न तथा संरक्षण एवं देखरेख की आवश्यकता वाले बच्चों की पहचान कर उनका सुरक्षित रेस्क्यू, संरक्षण और स्थायी पुनर्वास सुनिश्चित करना है। अभियान के अंतर्गत बस्तर, दुर्ग, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, बालोद, मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, सूरजपुर, सुकमा, सारंगढ़-बिलाईगढ़, नारायणपुर, रायपुर एवं बेमेतरा सहित विभिन्न जिलों में जिला प्रशासन, श्रम विभाग, पुलिस विभाग तथा अन्य सहयोगी संस्थाओं की संयुक्त टीमों द्वारा व्यापक स्तर पर जागरूकता, निरीक्षण एवं बचाव अभियान चलाया गया।

यूपीएससी प्रीलिम्स में छत्तीसगढ़ के ट्राइबल हॉस्टल का जलवा

रायपुर। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2026 के परिणाम में छत्तीसगढ़ के ट्राइबल यूथ हॉस्टल ने शानदार प्रदर्शन किया है। नई दिल्ली के द्वारका स्थित ट्राइबल यूथ हॉस्टल में रहकर तैयारी करने वाले 13 अभ्यर्थियों ने यूपीएससी प्रीलिम्स परीक्षा पास कर प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। इनमें अधिकांश विद्यार्थी जनजातीय, ग्रामीण और सामाजिक रूप से वंचित वर्गों से हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और आदिमजाति विकास मंत्री रामविचार नेताम ने सभी सफल अभ्यर्थियों को बधाई और शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि यह उपलब्धि छत्तीसगढ़ की युवा शक्ति की प्रतिभा, मेहनत और संकल्प का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की बेहतर तैयारी के लिए हरसंभव सुविधाएं उपलब्ध करा रही है। आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि ट्राइबल यूथ हॉस्टल प्रतिभाशाली युवाओं को सही दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

एमएसपी पर चना, मसूर और सरसों बेचने के लिए मिली 15 दिन अतिरिक्त मोहलत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। किसानों के हित में केंद्र सरकार ने बड़ा फैसला लेते हुए चना, मसूर और सरसों की न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीदी की अवधि 15 दिन बढ़ा दी है। प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम आशा) के तहत प्राइस सपोर्ट स्कीम में लिया गया यह निर्णय किसानों को अपनी उपज का बेहतर मूल्य दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

यह फैसला केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में आयोजित राज्यों के कृषि मंत्रियों की उच्चस्तरीय वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग बैठक में लिया गया। बैठक में छत्तीसगढ़ की ओर से कृषि मंत्री रामविचार नेताम, कृषि उत्पादन आयुक्त सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी और कृषि संचालक राहुल देव शामिल हुए।

अब किसानों को मिलेगा ज्यादा समय

बैठक में तय किया गया कि रबी विपणन वर्ष 2026-27 के दौरान किसानों को चना, मसूर और सरसों की उपज समर्थन मूल्य पर बेचने के लिए 15 दिन अतिरिक्त समय दिया जाएगा। इससे वे बाजार में कम कीमत मिलने की स्थिति से बच सकेंगे और डैच् का पूरा लाभ उठा सकेंगे। कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने प्रदेश के किसानों से बढ़ाई गई अवधि का अधिकतम लाभ उठाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि किसान अपनी निकटतम सहकारी समिति में जाकर चना, मसूर और सरसों का विक्रय करें, ताकि उन्हें सरकार द्वारा निर्धारित समर्थन मूल्य का लाभ मिल सके। उन्होंने यह भी कहा कि किसानों को किसी प्रकार की जानकारी या सहायता की आवश्यकता होने पर वे समिति प्रबंधक, कृषि विभाग के मैदानी अमले अथवा संबंधित जिले के उप संचालक कृषि कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

आय बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

केंद्र सरकार का यह निर्णय किसानों की आय में वृद्धि और उनकी उपज का उचित मूल्य सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। इससे उन किसानों को विशेष राहत मिलेगी, जो तय समय सीमा के भीतर अपनी उपज का विक्रय नहीं कर पाए थे।

धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा का जीवन जल, जंगल और जमीन की रक्षा के संघर्ष की अमर गाथा: मुख्यमंत्री

150वीं जयंती वर्ष पर डोंडराही में भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा का अनावरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जशपुर जिले के विकासखंड बगीचा के डोंडराही में धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती वर्ष के अवसर पर उनकी प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर उन्होंने घोषणा की कि यह स्थल अब बिरसा मुंडा चौक के नाम से जाना जाएगा। मुख्यमंत्री ने भगवान बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनका जीवन अन्याय, शोषण और अंग्रेजी शासन के विरुद्ध संघर्ष के साथ-साथ जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए समर्पित रहा। उन्होंने जनजातीय अस्मिता और स्वाभिमान की रक्षा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा का जीवन आज भी जनजातीय समाज सहित पूरे देश को अपने अधिकारों, संस्कृति और परंपराओं की रक्षा के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को 'जनजातीय गौरव दिवस' के रूप में मनाने का ऐतिहासिक निर्णय लेकर जनजातीय नायकों के योगदान को राष्ट्रीय पहचान दिलाने का कार्य किया है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने क्षेत्र के विकास एवं सामाजिक-सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न निर्माण कार्यों हेतु कुल 37 लाख रुपये की घोषणा की। उन्होंने बैगाटोली कर्मा में सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 15 लाख रुपये, कुदमुरा नांदो टोली में रंगमंच निर्माण हेतु 8 लाख रुपये, कुदमुरा पतराटोली (डिबा टोली) में सांस्कृतिक मंच निर्माण के लिए 7 लाख रुपये तथा केशव घर के समीप स्थित हनुमान मंदिर परिसर में मंच निर्माण के लिए 7 लाख रुपये स्वीकृत करने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार जनजातीय समाज के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। पीएम जनमन योजना और धरती आबा ग्राम उत्कर्ष योजना के माध्यम से जनजातीय क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं का तेजी से विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ के 6,661 गांव इस योजना में शामिल हैं, जहां सड़क, पेयजल, आवास, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता दी जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु का देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर पहुंचना जनजातीय समाज के सम्मान और गौरव का प्रतीक है। उन्होंने जशपुर को जनजातीय संस्कृति और परंपरा का महत्वपूर्ण केंद्र बताते हुए कहा कि यहां स्थित अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम देशभर में जनजातीय समाज के उत्थान के लिए उल्लेखनीय कार्य कर रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार ने मोदी की गारंटी के अधिकांश वादों को ढाई वर्षों के भीतर पूरा किया है।

सरकार गठन के 24 घंटे के भीतर 18 लाख प्रधानमंत्री आवासों की स्वीकृति प्रदान की गई थी, जिनमें से 10 लाख 60 हजार से अधिक आवास पूर्ण हो चुके हैं। किसानों को 3,100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान का मूल्य दिया जा रहा है तथा 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान की खरीदी की जा रही है। किसानों को दो वर्षों का बकाया बोनस भी प्रदान किया गया है।उन्होंने कहा कि तेंदूपत्ता संग्रहण दर को 4,000 रुपये से बढ़ाकर 5,500 रुपये प्रति मानक बोरा किया गया है। चरण पादुका योजना को पुन: प्रारंभ किया गया है तथा रामलला दर्शन और मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा दर्शन योजनाओं से हजारों लोग लाभान्वित हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की 6,000 से अधिक ग्राम पंचायतों में अटल डिजिटल सेवा केंद्र प्रारंभ हो चुके हैं, जहां आय, जाति और निवास प्रमाण पत्र सहित विभिन्न नागरिक सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। भविष्य में प्रत्येक पंचायत में यह सुविधा उपलब्ध होगी।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने इंटिग्रेटेड स्पोर्ट्स स्टेडियम का किया स्थल निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव ने आज अपने रायगढ़ प्रवास के दौरान पुसौर विकासखंड के ग्राम लोहरसिंग में बन रहे इंटिग्रेटेड स्पोर्ट्स स्टेडियम के स्थल का निरीक्षण किया। वहां कुछ दिनों पहले ही इंटिग्रेटेड स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के प्रशासनिक भवन, छात्रावास, स्टॉफ-रूम एवं पहुंच मार्ग का काम शुरू हुआ है। श्री साव ने कार्यों में तेजी लाते हुए निर्धारित समयावधि में पूर्ण गुणवत्ता के साथ इसका निर्माण पूर्ण करने के निर्देश दिए।

रायगढ़ में 91 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से 34 एकड़ में इंटिग्रेटेड स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स बनाया जा रहा है। यहां फुटबॉल, एथलेटिक्स, इनडोर स्टेडियम, स्विमिंग पूल, हॉकी और तीरंदाजी सहित 18 खेलों की सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। उप मुख्यमंत्री साव ने कार्यस्थल के निरीक्षण के दौरान लोक निर्माण विभाग तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग के अधिकारियों को प्राक्कलन के अनुसार समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्य संपादित करने के निर्देश दिए।

श्री साव ने रायगढ़ के खेल एवं युवा कल्याण विभाग की सहायक संचालक श्रीमती प्रतिमा सागर को जिले में खेल संघों का गठन कर इनके माध्यम से खिलाड़ियों को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने समय-समय पर इंटिग्रेटेड स्पोर्ट्स स्टेडियम के निर्माण कार्यों का निरीक्षण करने को कहा। उन्होंने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतने वाले रायगढ़ जिले के खिलाड़ियों को विशेष रूप से सहयोग प्रदान करने के भी निर्देश दिए।

उप मुख्यमंत्री साव ने निरीक्षण के दौरान कहा कि यह आधुनिक खेल परिसर रायगढ़ और पूरे क्षेत्र के खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करेगा। हमारा लक्ष्य ऐसा विश्वस्तरीय खेल अधोसंरचना विकसित करना है, जहां राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताएं हो सके।

आयुष्मान महाअभियान में सूरजपुर की बड़ी सफलता, तीन दिन में 2637 नए कार्ड बने

'घर-घर आयुष्मान, हर घर आयुष्मान' अभियान से हजारों परिवार स्वास्थ्य सुरक्षा से जुड़े

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत संचालित ''घर-घर आयुष्मान, हर घर आयुष्मान'' महा-अभियान में सूरजपुर जिले ने उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। 17 से 19 जून तक चले विशेष अभियान के दौरान जिले में 2316 नए आयुष्मान कार्ड तथा 321 वय वंदन आयुष्मान कार्ड बनाए गए, जिससे कुल 2637 हितग्राही स्वास्थ्य सुरक्षा कवच से जुड़ सके। कलेक्टर रेना जमील के निर्देश तथा जिला पंचायत और स्वास्थ्य विभाग के समन्वित प्रयासों से संचालित इस अभियान का उद्देश्य ऐसे पात्र परिवारों तक पहुंचना था, जो अब तक आयुष्मान कार्ड से वंचित थे। अभियान के तहत ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में घर-घर संपर्क किया गया तथा स्कूलों, आंगनबाड़ी केंद्रों और विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर विशेष शिविर आयोजित किए गए।

जिले में अब तक कुल 7 लाख 58 हजार 930 आयुष्मान कार्ड तथा 13 हजार 714 वय वंदन आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं। अभियान के माध्यम से छूटे हुए हितग्राहियों को योजना से जोड़कर उन्हें नि:शुल्क उपचार की सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि प्राप्त हुई है।

अभियान की सफलता में आयुष्मान मित्रों, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों (सीएचओ), रोजगार सहायकों, पंचायत सचिवों, एएनएम, बैंक सखियों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, मितानिनों तथा च्वाइस सेंटर संचालकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इनके संयुक्त प्रयासों से दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुंच बनाकर पात्र हितग्राहियों के कार्ड तैयार किए गए।

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि आयुष्मान कार्ड से पात्र परिवार सूचीबद्ध अस्पतालों में प्रतिवर्ष 5 लाख रुपये तक के नि:शुल्क उपचार का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

राज्य सरकार और केंद्र सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने के लिए अभियान आगे भी जारी रहेगा।

स्वस्थ बच्चे ही देश का मजबूत भविष्य- मंत्री टंक राम वर्मा

कुपोषण के खिलाफ बलौदाबाजार की बड़ी पहल-सुपोषित बचपन अभियान का शंखनाद

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बलौदाबाजार-भाटापारा जिले से कुपोषण को जड़ से मिटाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा एक अनूठी पहल की शुरुआत की गई है। राज्य के राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा ने शुक्रवार को नगर भवन बलौदाबाजार में आयोजित कार्यक्रम में सुपोषित बचपन अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने स्वयं बच्चों को पौष्टिक लड्डू खिलाकर उन्हें कुपोषण से लड़ने और मजबूत बनने के लिए प्रोत्साहित किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा ने जिला प्रशासन के इस प्रयास की सराहना की। उन्होंने कहा कि बच्चों में कुपोषण दूर करने के लिए एक बेहद सकारात्मक सोच के साथ इस अभियान की शुरुआत हुई है। यदि हमारे बच्चे स्वस्थ रहेंगे, तभी देश का भविष्य भी मजबूत होगा। इस विशेष पौष्टिक लड्डू में कई तरह के उच्च पोषक तत्व शामिल हैं, जो बच्चों के स्वास्थ्य में तेजी से सुधार लाएंगे।

मंत्री श्री वर्मा ने माता-पिता की भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि बच्चों को शारीरिक रूप से स्वस्थ रखने के साथ-साथ मानसिक विकास के लिए अच्छे संस्कार देना भी जरूरी है। उन्होंने माताओं से अपील की कि वे बच्चों को प्रेम के साथ अनुशासन भी सिखाएं और उन्हें देश का एक अच्छा नागरिक बनाएं।

कलेक्टर ने कार्यक्रम में अभियान की विस्तृत रूपरेखा साझा की। उन्होंने कहा कि जिले के 1626 आंगनबाड़ी केंद्रों में से 1500 केंद्रों के लगभग 9000 बच्चे गंभीर एवं मध्यम कुपोषित चिन्हित किए गए हैं। इन सभी बच्चों को आगामी 6 माह के भीतर सुपोषित करने का लक्ष्य रखा गया है। अभियान के तहत इन बच्चों को सप्ताह में 6 दिन, प्रतिदिन सुबह 10 बजे आंगनबाड़ी केंद्र में सहायिका द्वारा एक-एक पौष्टिक लड्डू खिलाया जाएगा। इन लड्डुओं का निर्माण स्थानीय स्तर पर महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा किया जाएगा। इसमें गेहूं, बेसन, रागी, मुनगा (सहजन) पाउडर, गुड़, तिल और मूंगफली जैसे उच्च पौष्टिक पदार्थों का उपयोग किया जा रहा है। केवल लड्डू खिलाना ही काफी नहीं है, इसलिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका प्रतिदिन बच्चों के घर जाकर माता-पिता को सही देख-रेख और समय पर पोषण देने के प्रति जागरूक करेंगी।

कलेक्टर ने बताया कि अभियान के तहत जिले के सभी 1200 गंभीर रूप से कुपोषित बच्चों की विशेष देखभाल के तहत चिरायु टीम द्वारा सभी 1200 बच्चों का विशेष कार्ड बनाया जाएगा।

सबसे पहले प्राथमिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में इनका गहन स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक दवाइयां दी जाएंगी। इसके बाद आवश्यकतानुसार बच्चों को पोषण पुनर्वास केंद्र में भर्ती कराया जाएगा। इसके लिए 15-15 दिनों की रोटेशन लिस्ट तैयार की गई है।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष, जनपद अध्यक्ष, पूर्व विधायक प्रमोद शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी, बड़ी संख्या में माताएं और बच्चे उपस्थित थे।

संकट की घड़ी में सहारा बना प्रशासन: त्वरित कार्रवाई से संभले हालात, क्षतिग्रस्त मकानों और सार्वजनिक संपत्तियों के पुनर्निर्माण का कार्य शुरू

आंधी-तूफान प्रभावित 474 परिवारों को 69 लाख रुपये से अधिक की सहायता

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्राकृतिक या मानव निर्मित आपदाओं से प्रभावित नागरिकों को राज्य आपदा मोचन निधि के तहत तत्काल अनुग्रह राशि और राहत सामग्री प्रदान की जाती है। जनहानि, गंभीर चोट, और घर या संपत्ति के नुकसान की स्थिति में प्रभावित परिवारों को आर्थिक सहायता सीधे बैंक खाते में दी जाती है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशानुरूप प्रभारी मंत्री केदार कश्यप के निर्देशानुसार सुकमा जिले में हाल ही में आए भीषण आंधी-तूफान और आकाशीय बिजली की घटना के बाद जिला प्रशासन ने संवेदनशीलता और तत्परता का परिचय देते हुए प्रभावित परिवारों को तत्काल राहत पहुंचाई। प्राकृतिक आपदा की सूचना मिलते ही कलेक्टर अमित कुमार के निर्देशन में प्रशासनिक अमला सक्रिय हो गया और प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिए गए।

राजस्व पुस्तक परिपत्र (आरबीसी) 6-4 के प्रावधानों के तहत आपदा प्रभावित नागरिकों को शीघ्र आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई गई। प्रशासन द्वारा विशेष अभियान चलाकर जिले के 474 प्रभावित हितग्राहियों को कुल 69 लाख 32 हजार 700 रुपये की राहत राशि वितरित की गई। सबसे अधिक प्रभावित तोंगपाल क्षेत्र के परिवारों को प्राथमिकता देते हुए लगभग 36 लाख रुपये की तात्कालिक सहायता राशि प्रदान की गई, जिससे संकट की घड़ी में प्रभावित परिवारों को बड़ी राहत मिली।

आपदा से प्रभावित क्षेत्रों में प्रशासनिक अधिकारियों ने लगातार भ्रमण कर प्रभावित परिवारों की स्थिति का जायजा लिया। जनहानि और पशुधन हानि से प्रभावित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए उन्हें हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के प्रयास किए गए। प्रशासन ने यह सुनिश्चित किया कि कोई भी जरूरतमंद परिवार राहत और सहायता से वंचित न रहे। प्रभावित लोगों को भरोसा दिलाया गया कि संकट की इस घड़ी में शासन और प्रशासन उनके साथ खड़ा है।

आंधी-तूफान से जिले में 1,407 मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं। प्रशासन द्वारा क्षति का सर्वेक्षण कर पुनर्निर्माण और मरम्मत की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। इसके साथ ही लगभग 2.5 करोड़ रुपये मूल्य की क्षतिग्रस्त सार्वजनिक संपत्तियों के सुधार और बहाली के लिए भी आवश्यक कार्यवाही की जा रही है।

तेजी से सामान्य हो रहा जनजीवन

प्रशासन की त्वरित कार्रवाई, सतत निगरानी और मानवीय दृष्टिकोण के कारण प्रभावित क्षेत्रों में जनजीवन तेजी से सामान्य हो रहा है। राहत, पुनर्वास और पुनर्निर्माण कार्यों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है ताकि प्रभावित परिवार जल्द से जल्द सामान्य जीवन में लौट सकें।

सुकमा जिला प्रशासन की यह पहल दर्शाती है कि आपदा की कठिन घड़ी में संवेदनशील शासन और त्वरित राहत व्यवस्था लोगों के लिए भरोसे और संबल का मजबूत आधार बन सकती है।

'द इंडिया स्टोरी' रिलीज़ से पहले फूड सेफ्टी पर काजल अग्रवाल ने अपनी दमदार पोस्ट से छेड़ी अहम बहस

देशभर में फूड एडल्टरेशन यानी खाद्य मिलावट को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच फिल्म द इंडिया स्टोरी की अभिनेत्री काजल अग्रवाल ने एक बार फिर इस गंभीर मुद्दे की ओर सभी का ध्यान खींचा है। हाल ही में अपनी सोशल मीडिया स्टोरी के जरिए उन्होंने भारतीय आमों के निर्यात पर कीटनाशक अवशेष और क्वारंटीन संबंधी चिंताओं को लेकर सामने आई रिपोर्ट्स साझा की है।

इस मुद्दे को उन्होंने अपनी आगामी फिल्म द इंडिया स्टोरी से जोड़ते हुए लिखा है, दुर्भाग्य से यह भारत की कहानी है, ये द इंडिया स्टोरी है। फिलहाल इस पोस्ट के बाद सोशल मीडिया पर चर्चा तेज हो गई है, क्योंकि फिल्म की कहानी भी खाद्य मिलावट जैसे गंभीर विषय और उसके सार्वजनिक स्वास्थ्य पर पडने़ वाले खतरनाक प्रभावों के इर्द-गिर्द घूमती है। ज़ी स्टूडियोज़ और एमआईजी प्रोडक्शन एंड स्टूडियोज़ के सहयोग से प्रस्तुत इस फिल्म में काजल अग्रवाल के साथ श्रेयस तलपड़े भी अहम भूमिका में नजर आनेवाले हैं। फिल्म का उद्देश्य उस सच्चाई को सामने लाना है, जो हर दिन लाखों परिवारों को प्रभावित करती है। फिल्म का निर्देशन चेतन डीके ने किया है, जबकि कहानी और निर्माण सागर बी.शिंदे ने संभाली है। द इंडिया स्टोरी 24 जुलाई 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में हिंदी, तेलुगु और तमिल भाषाओं में रिलीज़ होगी। सामाजिक रूप से प्रासंगिक विषय और प्रभावशाली संदेश के साथ यह फिल्म सिर्फ मनोरंजन तक सीमित नहीं रहना चाहती, बल्कि एक जरूरी राष्ट्रीय चर्चा की शुरुआत करने का लक्ष्य रखती है।

फिल्म के सह-निर्माताओं में स्वाति विनायक सैदाने, अनिता जाधव, विनायक सैदाने, कल्पेश शाह, देवयानी खोराते और प्रेम जोशी शामिल हैं। वहीं तकनीकी टीम में सिनेमैटोग्राफर निशांत भागवत, संगीतकार मंगेश धाकड़े, एडिटर आशीष म्हात्रे, गीतकार शकील आज़मी और साउंड डिज़ाइनर अनमोल भावे शामिल हैं।

'सुपरमैन' फेम एक्टर हेनरी कैविल के साथ नजर आईं सारा अली खान, शाही अंदाज में साझा की कई तस्वीरें

पटौदी खानदान की युवा राजकुमारी और बॉलीवुड अभिनेत्री सारा अली खान ने एक इवेंट से अपने शाही अंदाज की तस्वीरें साझा की हैं। यहां उनके साथ एक मशहूर हॉलीवुड एक्टर हेनरी कैविल भी नजर आए।

गुरुवार की शाम हॉलीवुड और बॉलीवुड का शानदार संगम देखने को मिला। जब 'सुपरमैन' फेम एक्टर हेनरी कैविल और बॉलीवुड एक्ट्रेस सारा अली खान की मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुईं। दोनों कलाकार एक लग्जरी वॉच ब्रांड के इवेंट में शामिल हुए। तस्वीरें पोस्ट करते हुए सारा ने कैप्शन में लिखा, 'एक शाही शाम..'

सारा ने इस खास इवेंट के लिए मोनोक्रोमैटिक आइवरी आउटफिट चुना। इसके साथ उन्होंने अपनी खूबसूरती और शालीनता का बेहतरीन मेल पेश किया। उनके लुक में एक तरफ जहां विंटेज चार्म था वहीं दूसरी तरफ आधुनिक भव्यता भी नजर आई। उन्होंने रिच टेक्सचर वाले ट्वीड-स्टाइल फैब्रिक से बनी स्ट्रक्चर्ड मिडी-लेंथ शीथ ड्रेस पहनी थी। जिसमें स्कूप नेकलाइन उनके लुक को और आकर्षक बना रही थी।

इस अंदाज को और निखारने के लिए उन्होंने अपने कंधों पर मैचिंग ब्लेजर कैरी किया, जिसने उनके पूरे लुक में एक रॉयल टच जोड़ दिया। बात करें सारा की एक्सेसरीज की तो वो भी उतने ही स्टाइलिश और आकर्षक थे। अभिनेत्री ने कढ़ाई वाला पाउच बैग, क्रिस्टल बकल से सजे पॉइंटेड-पंप्स और ब्रोच के साथ अपने लुक को खास बनाया।

बता दें, सैफ अली खान और अमृता सिंह की बेटी सारा अली खान मशहूर पटौदी खानदान से ताल्लुक रखती हैं। इससे पहले भी सारा साल 2019 में फोर्ब्स इंडिया सेलिब्रिटी 100 की सूची में जगह बना चुकी हैं।

करियर की बात करें तो हाल ही में वो फिल्म 'पति पत्नी और वो दो' में नजर आईं, जिसमें उनके साथ आयुष्मान खुराना, रकुल प्रीत सिंह और वामिका गब्बी भी अहम भूमिकाओं में दिखाई दिए थे।

'वसंतसेना' के किरदार में अप्सरा सी खूबसूरत लगीं मोनालिसा

भोजपुरी अभिनेत्री मोनालिसा ने सोशल मीडिया पर अपनी कुछ दिलकश फोटोज शेयर की हैं। यह तस्वीरें उनके एक किरदार की हैं, जिसे वे नए शो में निभा रही हैं।

मोनालिसा अपनी सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर खूब सुर्खियां बटोरती हैं। एक बार फिर वे अपने लुक को लेकर छा गई हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर कुछ फोटोज शेयर किए हैं, जिनमें वे किसी अप्सरा सी खूबसूरत लग रही हैं।

मोनालिसा की ये फोटोज उनके नए किरदार की हैं, जिसे वे एक शो में निभाती दिखेंगी। फिलहाल, वे शो की शूटिंग कर रही हैं।

मोनालिसा इस शो में वसंतसेना का किरदार निभाती नजर आएंगी। साझा की गई तस्वीरों में वे बला की खूबसूरत लग रही हैं, मानो स्वर्ग से कोई अप्सरा उतर आई हो।

मोनालिसा ने तस्वीरों के साथ लिखा है, 'सुंदर सुंदर। वसंतसेना'। बता दें कि अभिनेत्री गुजरात के उमरगाम में फिलहाल इस शो की शूटिंग कर रही हैं।

वसंतसेना प्राचीन भारतीय संस्कृत साहित्य के नाटक 'मृच्छकटिकम' की मुख्य नायिका है, वह उज्जयिनी की एक बेहद धनी, खूबसूरत और कला प्रेमी नगरवधू थीं। मोनालिसा का यह अंदाज देख फैंस क्रेजी हो रहे हैं और तारीफों की झड़ी लगा दी है

रेटिनॉल, हयालूरोनिक एसिड और सैलिसिलिक एसिड में से किसका करना चाहिए इस्तेमाल? जानें

त्वचा की देखभाल के लिए कई तरह के स्किन केयर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल किया जाता है। इनमें से कुछ प्रोडक्ट्स में रेटिनॉल, हयालूरोनिक एसिड और सैलिसिलिक एसिड जैसे तत्व मौजूद होते हैं। ये सभी तत्व त्वचा की देखभाल में अहम भूमिका निभाते हैं, लेकिन इनके इस्तेमाल का तरीका अलग है। आइए जानते हैं कि इन तीन के बीच क्या अंतर है और किसका इस्तेमाल त्वचा के लिए ज्यादा अच्छा है।

रेटिनॉल क्या है और इसके फायदे

रेटिनॉल विटामिन-ए का एक रूप है, जो त्वचा की कोशिकाओं को नया जीवन देता है। यह त्वचा की बनावट को सुधारने, महीन रेखाओं और झुर्रियों को कम करने और रंग में सुधार लाने में मदद करता है। रेटिनॉल त्वचा को कोमल और चमकदार बनाने में भी सहायक होता है। इसके अलावा यह मुंहासों की समस्या को भी दूर कर सकता है। हालांकि, इसका इस्तेमाल करने से पहले त्वचा विशेषज्ञ से सलाह लेना जरूरी है।

हयालूरोनिक एसिड के लाभ

हयालूरोनिक एसिड एक ऐसा तत्व है, जो त्वचा को गहराई से नमी प्रदान करता है और पानी को खींचता है। यह त्वचा को भरपूर और ताजा दिखाने में मदद करता है। हयालूरोनिक एसिड का नियमित इस्तेमाल करने से त्वचा की नमी बनी रहती है और यह सूखापन दूर करता है। इसके अलावा यह झुर्रियों को कम करने में भी मदद करता है। हयालूरोनिक एसिड का कोई नुकसान नहीं होता और यह सभी प्रकार की त्वचा पर काम करता है।

सैलिसिलिक एसिड क्या है?

सैलिसिलिक एसिड एक प्रकार का एसिड है, जो त्वचा की गहराई तक जाकर गंदगी और तेल को साफ करता है। यह मुंहासों की समस्या को दूर करने में बेहद असरदार है और त्वचा की तैलीयता को नियंत्रित करता है। सैलिसिलिक एसिड मृत कोशिकाओं को हटाने में मदद करता है और रोमछिद्रों को खोलता है, जिससे त्वचा साफ और स्वस्थ रहती है। यह संवेदनशील त्वचा वाले लोगों के लिए भी सुरक्षित है।

इन तीनों में से किसका इस्तेमाल करना है बेहतर?

अब सवाल यह उठता है कि इन तीनों में से किसका इस्तेमाल करना ज्यादा बेहतर है? अगर आपकी त्वचा तैलीय या मुंहासे वाली है तो सैलिसिलिक एसिड आपके लिए अच्छा विकल्प हो सकता है, वहीं अगर आपकी त्वचा रूखी या उम्र के असर से परेशान है तो हयालूरोनिक एसिड और रेटिनॉल दोनों ही आपके लिए फायदेमंद हो सकते हैं। हालांकि, इन तीनों का इस्तेमाल करने से पहले त्वचा विशेषज्ञ की सलाह जरूर लें।

क्या चावल छोड़ने से शरीर पर पड़ता है असर? जानिए इसके फायदे, नुकसान और पूरी सच्चाई

आपने अक्सर लोगों को ये कहते सुना होगा कि चावल छोड़ने से शरीर पर काफी प्रभाव पड़ता है। इसमें कितनी सच्चाई है, आज हम इसी बारे में आपसे बात करेंगे।

वजन कम करने या फिट रहने की कोशिश में कई लोग सबसे पहले अपनी डाइट से चावल को बाहर कर देते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि अक्सर यह माना जाता है कि चावल खाने से वजन तेजी से बढ़ता है और इसे छोड़ने से शरीर अधिक स्वस्थ रहता है। हालांकि, इस बात में कितनी सच्चाई है, इसे समझना जरूरी है।

चावल भारत समेत कई देशों में मुख्य भोजन का हिस्सा है और यह शरीर को ऊर्जा देने वाले कार्बोहाइड्रेट का महत्वपूर्ण स्रोत माना जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार, चावल को पूरी तरह छोड़ने से शरीर पर कुछ सकारात्मक और नकारात्मक दोनों तरह के प्रभाव पड़ सकते हैं।

किसी भी खाद्य पदार्थ को बिना सही जानकारी के पूरी तरह छोड़ना उचित नहीं माना जाता। आइए जानते हैं कि चावल छोड़ने से शरीर में क्या बदलाव आ सकते हैं और क्या यह वास्तव में फायदेमंद है।

किन लोगों को सावधानी बरतनी चाहिए?

- डायबिटीज के मरीज
- एथलीट और ज्यादा शारीरिक मेहनत करने वाले लोग
- बच्चे और किशोर
- गर्भवती महिलाएं
- इन लोगों को डाइट में बड़े बदलाव करने से पहले विशेषज्ञ की सलाह लेनी चाहिए।

क्या चावल पूरी तरह छोड़ देना चाहिए?

विशेषज्ञों के अनुसार, चावल को पूरी तरह छोड़ने की बजाय उसकी मात्रा और प्रकार पर ध्यान देना बेहतर होता है। सफेद चावल की जगह ब्राउन राइस, रेड राइस या संतुलित मात्रा में चावल का सेवन कई लोगों के लिए बेहतर विकल्प हो सकता है।

चावल छोड़ने से शरीर पर क्या असर पड़ता है?

1. वजन कम हो सकता है

चावल कार्बोहाइड्रेट का प्रमुख स्रोत है। इसकी मात्रा कम करने से कुल कैलोरी सेवन घट सकता है, जिससे कुछ लोगों का वजन कम होने में मदद मिल सकती है।

2. ऊर्जा की कमी महसूस हो सकती है

कार्बोहाइड्रेट शरीर के लिए ऊर्जा का मुख्य स्रोत हैं। अचानक चावल छोड़ने पर कुछ लोगों को थकान, कमजोरी या सुस्ती महसूस हो सकती है।

3. ब्लड शुगर पर असर पड़ सकता है

कुछ लोगों में चावल कम करने से ब्लड शुगर नियंत्रण में मदद मिल सकती है, लेकिन यह व्यक्ति की पूरी डाइट और स्वास्थ्य स्थिति पर निर्भर करता है।

4. पाचन तंत्र पर प्रभाव

यदि चावल की जगह पर्याप्त फाइबर वाले खाद्य पदार्थ नहीं लिए जाएं, तो पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। वहीं ब्राउन राइस जैसे विकल्प फाइबर प्रदान करते हैं।

वधाला का बेहद दिलचस्प और रोमांचक टीज़र हुआ जारी

सफल जोड़ी जगपति बाबू और लाया आने वाली फिल्म वधाला के साथ मूवी लवर्स का मनोरंजन करने के लिए एक साथ आ रहे हैं। अकेला वी कृष्णा द्वारा डायरेक्ट की गई यह फिल्म मूवी लवर्स के बीच दिलचस्पी पैदा कर रही है।

मेकर्स ने फिल्म का टीज़र रिलीज़ किया। टीज़र में एक लेडी को ब्लैकमेल करते हुए और हीरो अपने परिवार को कैसे बचाता है, यह दिलचस्प हिस्सा है।

जगपति बाबू और लाया ने अपने इमोशंस और एक्सप्रेशन से सीन को और बेहतर बना दिया। फिल्म की सिनेमैटोग्राफी और बैकग्राउंड म्यूज़िक ने कहानी को और बेहतर बना दिया। छोटा के नायडू ने सिनेमैटोग्राफी संभाली और कार्तिक कोडकंडला ने अपने म्यूज़िक से कहानी को और भी शानदार बना दिया।

रितिका श्रीनिवास फिल्म में दूसरी फीमेल लीड रोल में हैं। थम्मारेड्डी भारद्वाज अपने चारित्र चित्र बैनर के तहत किशोर नायडू के साथ मिलकर फिल्म को प्रोड्यूस कर रहे हैं। जगपति बाबू कहते हैं, मुझे वधाला का सब्जेक्ट बहुत पसंद आया, और पिछले 10-12 सालों से मुझे इस कहानी पर पूरा भरोसा था। मैंने कहानी पिच की और मुझे स्क्रिप्ट बहुत पसंद आई, इसलिए मैं अपनी पूरी एनर्जी इस फिल्म में लगा रहा हूँ।

खास खबर

बच्चों के चेहरों पर मुस्कान, कर्मचारियों का जन्मदिन बना यादगार

रायपुर। जिले में शासकीय कर्मचारियों के जन्मदिन अब केवल व्यक्तिगत आयोजन नहीं रह गए हैं, बल्कि समाज सेवा का माध्यम बनते जा रहे हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशानुसार प्रधानमंत्री पोषण शक्ति योजना और न्योता भोज के अंतर्गत संचालित प्रोजेक्ट आओ बाँटें खुशियाँ का उद्देश्य ही है - खुशियों को बाँटना, और इस पहल को शासकीय कर्मचारी पूरे उत्साह के साथ अपना रहे हैं। इसी क्रम में असिस्टेंट टीचर तेजेश्वरी ने शासकीय माध्यमिक शाला बोड़रा, आरंग में विद्यार्थियों के साथ जन्मदिवस के अवसर पर बच्चों के साथ केक काटकर, फ्रूट और पौष्टिक आहार वितरित कर इस दिन को विशेष बनाया।

आवास मेला-2025 के लक्की ड्रॉ विजेताओं की घोषणा 22 जून को

रायपुर। छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल ने वर्ष 2025-26 में आवासीय एवं व्यावसायिक संपत्तियों के विक्रय के क्षेत्र में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। मंडल द्वारा अप्रैल 2025 से मार्च 2026 के दौरान लगभग 5,145 संपत्तियों का विक्रय किया गया, जिसका कुल मूल्य 1,104 करोड़ रुपये से अधिक है। यह मंडल के इतिहास का अब तक का सर्वाधिक वार्षिक विक्रय है। शासन द्वारा संचालित वन टाइम सेटलमेंट 2 योजना के अंतर्गत हितग्राहियों को 30 प्रतिशत तक की छूट प्रदान की गई, जिससे लगभग 1,533 संपत्तियों का विक्रय हुआ। इस योजना के माध्यम से लगभग 232.30 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्तियां विक्रय हुईं तथा बड़ी संख्या में मध्यम एवं निम्न आय वर्ग के परिवारों को लाभ मिला।

बीजापुर में 510 पदों के लिए प्लेसमेंट कैंप, 22 से 24 जून तक होगा आयोजन

बीजापुर। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र, बीजापुर द्वारा निजी क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 22 से 24 जून 2026 तक प्लेसमेंट कैंप का आयोजन किया जा रहा है। यह कैंप **Kairos Security Health and Composite Service Pvt. Ltd.** के माध्यम से आयोजित होगा, जिसमें कुल 510 पदों पर भर्ती की जाएगी। यह सूचना जिला रोजगार कार्यालय द्वारा जारी की गई है। जारी सूचना के अनुसार, सिक्योरिटी गार्ड के 470 पद तथा सिक्योरिटी सुपरवाइजर के 40 पदों पर भर्ती की जाएगी। सिक्योरिटी गार्ड पद के लिए न्यूनतम योग्यता 10वीं पास निर्धारित की गई है, जबकि सिक्योरिटी सुपरवाइजर पद हेतु स्नातक होना आवश्यक है। चयनित अभ्यर्थियों को प्रतिमाह 18 हजार से 25 हजार रुपये तक वेतन मिलेगा। कार्यस्थल दक्षिण भारत रहेगा। प्लेसमेंट कैंप का आयोजन 22 जून को जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र, कलेक्ट्रेट परिसर बीजापुर, 23 जून को आईटीआई भैरमगढ़ तथा 24 जून को आईटीआई भोपालपटनम में किया जाएगा। इच्छुक अभ्यर्थियों को शैक्षणिक प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, साइज फोटो सहित मूल दस्तावेज लेकर उपस्थित होना होगा।

किसान हितैषी नीतियों ने दिलाई छत्तीसगढ़ को नई पहचान

छत्तीसगढ़ के कृषि विकास मॉडल का अध्ययन करने पहुंचा महाराष्ट्र का विधायक दल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में महाराष्ट्र के विधायक प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से छत्तीसगढ़ में धान खरीदी व्यवस्था, किसानों के हित में संचालित योजनाओं, कृषि क्षेत्र में किए जा रहे सुधारों तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों के संबंध में विस्तार से जानकारी ली।

मुख्यमंत्री साय ने प्रतिनिधिमंडल का आत्मीय स्वागत करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ कृषि प्रधान राज्य है और यहां की बड़ी आबादी खेती-किसानी पर निर्भर है। राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने, कृषि को लाभकारी बनाने तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने प्रतिनिधिमंडल को बस्तर की समृद्ध आदिवासी कला एवं संस्कृति के प्रतीक बस्तर आर्ट का स्मृति-चिन्ह भेंट कर उनका स्वागत किया।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार और राज्य सरकार किसानों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए समन्वित रूप से कार्य कर रही हैं। छत्तीसगढ़ में किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य सुनिश्चित करने के साथ-साथ कृषि निवेश में सहायता, सिंचाई सुविधाओं का विस्तार, आधुनिक तकनीकों का उपयोग और फसल विविधीकरण को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में किसानों से 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी की जा रही है। राज्य सरकार द्वारा खरीफ विपणन वर्ष में लगभग 141 लाख मीट्रिक टन धान का उपार्जन किया गया है, जो देश में धान खरीदी के सबसे बड़े अभियानों में से एक है। उन्होंने कहा कि किसानों की सुविधा के लिए प्रदेशभर में लगभग 2700 धान उपार्जन केंद्र संचालित किए जा रहे हैं, जहां पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित तरीके से धान की खरीदी की जाती है। धान के सुरक्षित भंडारण के लिए संग्रहण केंद्रों और गोदामों का व्यापक नेटवर्क विकसित किया गया है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार का प्रयास है कि किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। इसके लिए पंजीयन से लेकर धान तौल, परिवहन और भुगतान तक की प्रक्रिया को तकनीक आधारित और सरल बनाया गया है। किसानों को समयबद्ध भुगतान सुनिश्चित करने के साथ ही विभिन्न योजनाओं के माध्यम से उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूत किया जा रहा है। प्रतिनिधिमंडल को मुख्यमंत्री ने कृषक उन्नति योजना सहित राज्य सरकार द्वारा किसानों के हित में संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी दी। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार खेती को अधिक लाभकारी बनाने तथा किसानों की आय में निरंतर वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। कृषि के साथ-साथ पशुपालन, मत्स्य पालन और अन्य आयवर्धक गतिविधियों को भी बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे ग्रामीण परिवारों की आमदनी में वृद्धि हो रही है। चर्चा के दौरान महाराष्ट्र के विधायक प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने बताया कि छत्तीसगढ़ से लगे महाराष्ट्र के चार जिलों में बड़ी संख्या में किसान धान की खेती करते हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की धान खरीदी व्यवस्था, किसानों को मिलने वाला समर्थन और प्रशासनिक प्रबंधन अत्यंत प्रभावी एवं अनुकरणीय है। राज्य में किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य उपलब्ध कराने तथा खरीदी प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए किए गए प्रयास सराहनीय हैं। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने कहा कि छत्तीसगढ़ का धान खरीदी मॉडल किसानों के आर्थिक सशक्तिकरण का सफल उदाहरण है। उन्होंने इस मॉडल के विभिन्न पहलुओं का अध्ययन कर महाराष्ट्र के धान उत्पादक क्षेत्रों में भी ऐसे प्रयासों को आगे बढ़ाने की बात कही।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्यों के बीच अनुभवों और सफल मॉडलों का आदान-प्रदान देश के कृषि क्षेत्र को और अधिक मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस प्रकार के अध्ययन भ्रमण से राज्यों को एक-दूसरे के सफल अनुभवों से सीखने और उन्हें स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप अपनाने का अवसर मिलता है।

वनांचल के युवाओं का पराक्रमः शंकरगढ़ के 11 युवा बने अग्निवीर

सीमित संसाधनों के बीच रचा सफलता का इतिहास, अरविंद यादव का भारतीय सेना की स्पेशल फोर्स में चयन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के वनांचल क्षेत्र शंकरगढ़ के युवाओं ने यह साबित कर दिया है कि प्रतिभा और दृढ़ संकल्प के सामने संसाधनों की कमी कोई मायने नहीं रखती। बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के शंकरगढ़ विकासखंड के 11 युवाओं का भारतीय सेना की अग्निवीर भर्ती में चयन हुआ है। इनमें ग्राम जोकापाठ निवासी अरविंद यादव का चयन भारतीय सेना की प्रतिष्ठित स्पेशल फोर्स 'पैरा कमांडो' में हुआ है। वे जिले से इस गौरवशाली इकाई में चयनित होने वाले पहले युवा बन गए हैं।

वनांचल और ग्रामीण परिवेश से निकलकर इन युवाओं ने कठिन परिस्थितियों, सीमित सुविधाओं और संसाधनों के अभाव के बावजूद अपनी मेहनत, अनुशासन और देशसेवा के जज्बे के बल पर यह मुकाम हासिल किया है। उनकी सफलता पूरे सरगुजा संभाग के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बन गई है।

हाल ही में चयनित युवा अपने प्रशिक्षकों के साथ कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी से मिले। कलेक्टर ने सभी युवाओं को बधाई देते हुए कहा कि क्षेत्र के युवाओं में असीम संभावनाएं हैं। यदि उन्हें सही दिशा, प्रशिक्षण और प्रोत्साहन मिले तो वे राष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान स्थापित कर सकते हैं। उन्होंने युवाओं से अपने गांव और आसपास के अन्य युवाओं को भी सेना तथा अन्य प्रतिस्पर्धी क्षेत्रों में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया।

इस उपलब्धि के पीछे अतिथि शिक्षक सुदर्शन यादव और एक सेवानिवृत्त सैनिक का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। दोनों ने युवाओं को भर्ती प्रक्रिया की जानकारी देने, शारीरिक दक्षता विकसित करने और लिखित परीक्षा की तैयारी कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके मार्गदर्शन और युवाओं की अथक मेहनत का परिणाम आज पूरे जिले के सामने प्रेरक उदाहरण के रूप में है।

विशेष रूप से अरविंद यादव की सफलता ने इस उपलब्धि को और भी खास बना दिया है। अरविंद बताते हैं कि सेना में भर्ती होकर देश सेवा करना उनका बचपन का सपना था। वर्षों की कड़ी मेहनत, नियमित अभ्यास और परिवार व प्रशिक्षकों के सहयोग ने उन्हें भारतीय सेना की सबसे चुनौतीपूर्ण और प्रतिष्ठित इकाइयों में स्थान दिलाया।

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन बनी किसानों की उम्मीद शिकायत पर अतिक्रमण मुक्त हुई नहर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन एक बार फिर आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान का प्रभावी माध्यम साबित हुई है। बलरामपुर जिले के ग्राम राधानगर में किसानों की शिकायत पर प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए अतिक्रमण से बाधित नहर को मुक्त कराया, जिससे क्षेत्र की सिंचाई व्यवस्था पुनः सुचारु हो गई है।

जानकारी के अनुसार, किसानों ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज कराई थी कि धमनी जलाशय योजना की नहर के जल प्रवाह को एक निजी व्यक्ति द्वारा निर्धारित दिशा से मोड़कर अतिक्रमण कर पाट दिया गया है। इससे नहर का जल प्रवाह बाधित हो रहा था और किसानों को सिंचाई के लिए कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। शिकायत मिलते ही संबंधित विभागों के अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर जांच की। जांच में शिकायत सही पाए जाने पर अतिक्रमणकर्ता को तत्काल अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए। प्रशासन की सक्रिय पहल के बाद अतिक्रमणकर्ता ने स्वयं नहर से अतिक्रमण हटा लिया। इसके पश्चात नहर का सुधार कार्य भी कराया गया, जिससे जल प्रवाह पुनः शुरू हो गया। नहर के पुनर्संचालन से राधानगर एवं आसपास के किसानों को सिंचाई सुविधा का लाभ मिलेगा, जिससे कृषि कार्यों को गति मिलेगी और फसलों की उत्पादकता बढ़ाने में सहायता मिलेगी। ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन एवं जिला प्रशासन की त्वरित और प्रभावी कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि समयबद्ध समाधान से उन्हें बड़ी राहत मिली है।

छत्तीसगढ़ के पर्यटन रिसॉर्ट्स में मिलेगा विश्वस्तरीय भोजन, आईएचएम रायपुर का विशेष प्रशिक्षण संपन्न

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थलों पर आने वाले सैलानियों को अब वैश्विक स्तर का खान-पान और शानदार आतिथ्य अनुभव मिलेगा। इस दिशा में एक बड़ी पहल करते हुए छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के रिसॉर्ट कर्मचारियों के लिए आयोजित द्वितीय कलिनरी स्किल प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हो गया है।

इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट (आईएचएम) नवा रायपुर द्वारा आयोजित इस विशेष कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य राज्य के पर्यटन रिसॉर्ट्स की सेवाओं को अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप अपग्रेड करना है।

इस प्रशिक्षण के दौरान विभिन्न रिसॉर्ट्स से आए कर्मचारियों को आधुनिक कुकिंग तकनीकों, फूड प्रेजेंटेशन (खाद्य प्रस्तुतीकरण), लागत नियंत्रण और रसोई संचालन (किचन मैनेजमेंट) के गुर सिखाए गए। साथ ही, पर्यटकों की सेहत और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए हाइजीन (स्वच्छता) एवं खाद्य सुरक्षा मानकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया। आईएचएम रायपुर के अनुभवी संकाय सदस्यों और विशेषज्ञ प्रशिक्षकों ने प्रतिभागियों को भारतीय, क्षेत्रीय और समकालीन व्यंजनों को तैयार करने की बारीकियां सिखाईं। आईएचएम रायपुर परिसर में आयोजित समापन एवं प्रमाण-पत्र वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के सचिव डॉ. एस. भारती दासन उपस्थित रहे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पर्यटन उद्योग में गुणवत्तापूर्ण भोजन और उत्कृष्ट सेवाएं किसी भी पर्यटक के सफर को यादगार बनाती हैं। यदि प्रशिक्षित कर्मचारी इन तकनीकों को अपने रिसॉर्ट्स में लागू करेंगे, तो इससे न केवल पर्यटकों की संतुष्टि बढ़ेगी बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ के पर्यटन की प्रतिष्ठा और मजबूत होगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के प्रबंध संचालक तथा आईएचएम रायपुर के प्राचार्य विवेक आचार्य ने कौशल विकास के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पर्यटन क्षेत्र में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के इस दौर में सेवाओं की गुणवत्ता ही सबसे बड़ा अंतर पैदा करती है। यह प्रशिक्षण कर्मचारियों में नवाचार, दक्षता और व्यावसायिकता लाने में मील का पत्थर साबित होगा। यह कार्यक्रम छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल और आईएचएम रायपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। समापन समारोह में पर्यटन मंडल मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारी, विभिन्न रिसॉर्ट्स के प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में प्रशिक्षणार्थी शामिल हुए। प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने वाले सभी प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि द्वारा प्रमाण-पत्र वितरित किए गए।

श्रमिकों के सशक्तिकरण की ओर मजबूत कदम

बीजापुर श्रमिक सम्मेलन में उमड़ा जनसैलाब 500 से अधिक श्रमिकों ने लिया भाग

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। श्रम विभाग, बीजापुर द्वारा कल सामुदायिक सांस्कृतिक भवन, बीजापुर में श्रमिकों के सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से एक भव्य श्रमिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से लगभग 500 पंजीकृत एवं अपंजीकृत श्रमिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम में नगरपालिका उपाध्यक्ष भुवन सिंह चौहान पार्षद हितेश साहनी, पार्षद संजय गुप्ता वरिष्ठ नागरिक घासीराम नाग सहित गणमान्य नागरिक सहित जिले भर से आए श्रमिक उपस्थित रहे। साथ ही श्रम पदाधिकारी ओम ब्यास नेताम, श्रम निरीक्षक सोपान काणेवार, कल्याण अधिकारी गोपाल पटेल, कल्याण निरीक्षक सुजाता बेल्लमपल्ली तथा विभागीय अधिकारी-कर्मचारी मुकेश बघेल, आशीष बेलमपल्ली, विकास देवांगन, नीरज यादव, रेवती दुर्गम एवं ज्योति कावटी उपस्थित रहे। अतिथियों का श्रम विभाग के अधिकारियों द्वारा पुष्पगुच्छ एवं शॉल भेंट कर आत्मीय स्वागत किया गया।

अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में मुख्य अतिथियों ने कहा कि श्रमिक देश और समाज की प्रगति की आधारशिला हैं। शासन द्वारा श्रमिकों के हित में अनेक जनकल्याणकारी योजनाएँ संचालित की जा रही हैं, जिनका लाभ प्रत्येक पात्र श्रमिक तक पहुँचना आवश्यक है। उन्होंने सभी श्रमिकों से अपील की कि वे श्रम विभाग में अपना पंजीयन अवश्य कराएँ, समय-समय पर उसका नवीनीकरण कराते रहें तथा अपने परिवार एवं आसपास के पात्र श्रमिकों को भी विभागीय योजनाओं से जोड़कर सामाजिक सुरक्षा का लाभ दिलाने में सहयोग करें। सम्मेलन के दौरान श्रम विभाग के अधिकारियों द्वारा श्रमिकों को विभाग की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। श्रमिकों को पंजीयन एवं नवीनीकरण की प्रक्रिया, श्रमिक पहचान पत्र, मुख्यमंत्री नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना, प्रसूति सहायता, मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता, अटल उत्कृष्ट शिक्षा सहायता, औजार सहायता सहित अन्य योजनाओं की पात्रता, आवश्यक दस्तावेज एवं आवेदन प्रक्रिया के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गई। साथ ही श्रमिकों की समस्याओं एवं जिज्ञासाओं का समाधान कर उन्हें योजनाओं का अधिकतम लाभ लेने हेतु मार्गदर्शन दिया गया।

कार्यक्रम के दौरान 150 नए निर्माण श्रमिकों का पंजीयन किया गया, जिससे वे शासन की विभिन्न सामाजिक सुरक्षा एवं कल्याणकारी योजनाओं के लिए पात्र बन सके। इसके अतिरिक्त 280 पंजीकृत श्रमिकों को श्रमिक पहचान (लेबर) कार्ड वितरित किए गए। श्रमिकों को बताया गया कि श्रमिक पहचान पत्र उनके लिए शासन की योजनाओं का लाभ प्राप्त करने का महत्वपूर्ण दस्तावेज है, इसलिए इसका सुरक्षित रख-रखाव एवं समय पर नवीनीकरण आवश्यक है। सम्मेलन में उपस्थित लगभग 500 हितग्राहियों ने विभागीय योजनाओं के प्रति विशेष रुचि दिखाई तथा भविष्य में अधिक से अधिक पात्र श्रमिकों तक इन योजनाओं की जानकारी पहुँचाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा, श्रमिक अधिकारों, श्रम कानूनों एवं श्रमिक कल्याण योजनाओं के महत्व के बारे में भी जागरूक किया गया।

श्रम विभाग के अधिकारियों ने कहा कि विभाग का उद्देश्य केवल पंजीयन करना नहीं, बल्कि प्रत्येक पात्र श्रमिक को शासन की योजनाओं से जोड़कर उसके जीवन स्तर में सुधार लाना है। इसके लिए विभाग समय-समय पर श्रमिक सम्मेलन, जागरूकता शिविर, पंजीयन अभियान एवं जनसंपर्क कार्यक्रम आयोजित करता रहेगा, ताकि जिले का कोई भी पात्र श्रमिक योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। सभी अतिथियों, जनप्रतिनिधियों, श्रमिकों एवं विभागीय अधिकारियों-कर्मचारियों के सहयोग से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

अतिथि शिक्षकों की भर्ती, 27 जून तक करें आवेदन

सुकमा। जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग ने सुकमा जिले के शासकीय हाई एवं हायर सेकेंडरी स्कूलों में शिक्षा के स्तर को सुधारने और स्थानीय युवाओं को रोजगार देने के लिए एक बड़ी पहल की है। जिले में संचालित इन विद्यालयों में अंग्रेजी, गणित, विज्ञान, भौतिकी, रसायन, जीव विज्ञान, इतिहास, राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र और वाणिज्य जैसे महत्वपूर्ण विषयों के लिए व्याख्याताओं के कुल 75 रिक्त पदों पर स्थानीय अतिथि शिक्षकों की भर्ती की जा रही है। स्थानीय शिक्षित बेरोजगारों को रोजगार का सुनहरा अवसर मिलेगा, वहीं दूसरी ओर स्कूलों में शिक्षकों की कमी दूर होने से शैक्षणिक व्यवस्था में बड़ा सुधार आएगा। भर्ती प्रक्रिया में शामिल होने के लिए इच्छुक और योग्य उम्मीदवारों से निर्धारित प्रारूप में आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।

खास खबर

घर के बाहर खड़ी दो गाड़ियों को अज्ञात बदमाश ने फूंका

भिलाई। सुपेला थाना क्षेत्र के न्यू कृष्णा नगर वार्ड क्रमांक-08 में घर के बाहर खड़े दो वाहनों में अज्ञात व्यक्ति द्वारा आग लगा देने का मामला सामने आया है। घटना में एक स्कूटी और एक मोटर साइकिल पूरी तरह जलकर क्षतिग्रस्त हो गई। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात आरोपित के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार न्यू कृष्णा नगर निवासी अनुसुईया साहू टेलीकॉलिंग का कार्य करती हैं। उन्होंने बताया कि 17 जून 2026 की शाम काम से लौटने के बाद अपनी स्कूटी क्रमांक सीजी 24 टी 7589 को घर के बाहर सड़क किनारे खड़ी कर कमरे के अंदर चली गई थीं। रात करीब 10.30 बजे बारिश होने पर वह वाहन को ढकने बाहर आईं, तब स्कूटी सुरक्षित थी। रात करीब 1.30 बजे नीचे रहने वाली पड़ोसी चंपा ने उन्हें सूचना दी कि उनकी स्कूटी में आग लगी हुई है। बाहर आकर देखने पर स्कूटी के साथ वहीं खड़ी मोटर साइकिल क्रमांक सीजी 07 एक्यू 7660 भी आग की चपेट में थी। प्रार्थिया की रिपोर्ट पर सुपेला थाना पुलिस ने अज्ञात आरोपित के खिलाफधारा 326(एफ) बीएनएस के अंतर्गत मामला दर्ज कर विवेचना शुरु कर दी है।

ग्रेडर की टक्कर से महिला की मौत, गुस्साए ग्रामीणों ने फूंकी मशीन

रायपुर। रायपुर जिले के अभनपुर थाना क्षेत्र के सिवनीकला गांव में शुक्रवार 19 जून की रात को सड़क निर्माण कार्य के दौरान हुए दर्दनाक हादसे के बाद जमकर बवाल मच गया। गांव में सड़क निर्माण या मरम्मत का काम चल रहा था। इसी दौरान महिला अपने घर के बाहर खड़ी थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ग्रेडर चालक ने वाहन को लापरवाहीपूर्वक चलाते हुए महिला को टक्कर मार दी। वाहन के नीचे आने से महिला गंभीर रूप से घायल हो गई और उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। ग्रामीणों का कहना था कि निर्माण कार्य के दौरान सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया गया, जिसके कारण एक निर्दोष महिला की जान चली गई। गुस्साए ग्रामीणों ने मौके पर खड़े ग्रेडर में आग लगा दी। पुलिस की कार्रवाई को लेकर भी लोगों में नाराजगी देखने को मिली। लोगों ने दोषी चालक और ठेकेदार के खिलाफ कड़ी कार्रवाई तथा पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा देने की मांग की। अधिकारियों ने ग्रामीणों को निष्पक्ष जांच और उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच जारी है। इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

14 लीटर अवैध महुआ शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार

गरियाबंद। जिले में नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे नया सवेरा अभियान के तहत गरियाबंद पुलिस ने अवैध शराब कारोबार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 14 लीटर कच्ची महुआ शराब बरामद की गई है। थाना छुरा पुलिस एवं स्पेशल टीम को मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम बीजेपाल में एक व्यक्ति हाथ भट्ठी से महुआ शराब बनाकर बेचने की तैयारी कर रहा है। सूचना की पुष्टि होने पर पुलिस की दो अलग-अलग टीमों ने मौके पर पहुंचकर ग्राम बीजेपाल के जंगल क्षेत्र में दबिश दी। कार्रवाई के दौरान आरोपी परमानंद विश्वकर्मा (32 वर्ष), निवासी ग्राम बीजेपाल, थाना छुरा को मौके पर ही 14 लीटर अवैध महुआ शराब के साथ गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से जब्त शराब को अपने कब्जे में लेकर उसके विरुद्ध आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत मामला दर्ज किया। विवेचना के दौरान पर्याप्त साक्ष्य मिलने पर आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। गरियाबंद पुलिस ने बताया कि जिले में अवैध शराब निर्माण, बिक्री एवं परिवहन के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा तथा ऐसे मामलों में संलिप्त लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

1500 रुपए के लिए युवक की हत्या, 7 नाबलिगों ने पत्थर से सिर कुचला और कटर से किए वार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के मोहन नगर थाना क्षेत्र में उधार का 1500 रुपए नहीं लौटाने पर युवक की हत्या कर शव को कुएं में फेंक दिया। गुरुवार रात को कुएं में शव मिलने की सूचना के बाद पुलिस एक्टिव हुई। शव की शिनाख्ती के बाद आरोपियों की तलाश शुरू हुई। 24 घंटे के भीतर ही पुलिस ने मामला सुलझा लिया। इस मामले में पुलिस ने 7 नाबालिग आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों खिलाफधारा 103(1) के तहत थाना मोहन नगर पुलिस द्वारा वैधानिक कार्रवाई की गई।

दरअसल 18 जून 2026 को रात्रि करीबन 08.30 बजे प्रार्थी दुर्गा सारथी को सूचना प्राप्त हुई कि पशु आहार किसान राईस मिल शक्ति नगर दुर्ग स्थित कुआं में एक व्यक्ति का शव पड़ा हुआ है। पुलिस एवं स्थानीय लोगों द्वारा दिखाए गए फोटो के आधार पर शव की पहचान यशवंत सारथी (उम्र 26 वर्ष) के रूप में की गई। जांच में पाया गया कि अज्ञात आरोपियों द्वारा सिर पर कठोर वस्तु से मारकर एवं सीना, पेट व पीठ में कटर से वार कर हत्या की गई है, जिस पर थाना मोहन नगर में अपराध धारा 103(1) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया गया था।

मामले की गंभीरता को देखते हुए मोहन नगर पुलिस टीम द्वारा तत्परता से कार्रवाई करते हुए महज 24 घंटे के भीतर घटना में शामिल 7 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। सभी आरोपी नाबालिग हैं।

मुख्य आरोपी से लिए थे 1500 उधार

पुछताछ में विवाद का कारण यह सामने आया कि मृतक ने मुख्य आरोपी से 1,500 रुपये उधार लिए थे, जिसे बार-बार अनुरोध करने के

बाद भी वह वापस नहीं कर रहा था। इसी बात को लेकर आरोपी के मन में विवाद ने जन्म लिया। योजना के तहत मुख्य आरोपी ने 17 जून 2026 की रात यशवंत सारथी को फोन कर राइसमिल के पास बुलाया और साथ ही अपने अन्य दोस्तों (सह-आरोपियों) को भी वहां बुला लिया। जैसे ही यशवंत वहां पहुंचा, सभी ने मिलकर उसे पकड़ लिया और पास में पड़े पत्थर से उसका सिर कुचल दिया। इसके बाद आरोपियों ने कटर का उपयोग कर मृतक को गंभीर रूप से घायल किया और साक्ष्य छुपाने के उद्देश्य से शव को पास के कुएं में फेंक कर मौके से फरार हो गए थे। पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए सभी 7 अपचारी बालकों को हिरासत में ले लिया है।

उक्त अंधे कत्ल की गुत्थी को महज 24 घंटे के भीतर सुलझाकर सभी 07 अपचारी बालकों को गिरफ्तार करने में थाना मोहन नगर पुलिस टीम के अधिकारी एवं कर्मचारियों की अत्यंत सक्रिय, त्वरित एवं प्रभावी भूमिका रही। दुर्ग पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि किसी भी प्रकार की संदिग्ध, अवैध अथवा आपराधिक गतिविधियों की सूचना तत्काल पुलिस को दें। कानून का उल्लंघन करने वाले किसी भी अपराधी को बख्शा नहीं जाएगा और उनके विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

मोटा कहने पर हुआ विवाद, 10वीं के छात्र की हत्या

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर से लगे तिल्दा में 10वीं के स्टूडेंट ने अपने ही क्लासमेट का मर्डर कर दिया। आरोपी छात्र ने अमन यदु (16) को बोर्ड एग्जाम के दौरान मोटा कहा था, तब से अमन उससे मनमुटाव रखता था। इसी बात को लेकर शुक्रवार को दोनों के बीच मारपीट हो गई। गुस्से में आकर अमन यदु (16) ने चाकू निकाला, लेकिन आरोपी छात्र ने चाकू छीनकर उसे ही मार डाला। उसने अमन के सीने और गर्दन पर चाकू घोंप दिया, जिससे उसकी मौत हो गई।

मामला तिल्दा थाना क्षेत्र के सासाहोली गांव का है। मारपीट में आरोपी छात्र भी घायल हुआ है। वह अस्पताल में भर्ती है। जहां उसकी हालत बेहद नाजुक बनी हुई है। जानकारी के अनुसार, अमन यदु (16) वार्ड नंबर 1 सासाहोली का रहने वाला था। वहीं

आरोपी छात्र (15) भी वार्ड नंबर 1 सासाहोली का निवासी है। उनके घरों के बीच महज करीब 400 मीटर की दूरी थी, इसलिए दोनों एक-दूसरे को अच्छी तरह जानते थे और पहले दोस्त भी थे।

दोनों ने सासाहोली के सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल में पढ़ाई करते थे और 10वीं कक्षा भी एक साथ पास की थी। कुछ समय पहले 10वीं बोर्ड परीक्षा के दौरान आरोपी छात्र ने अमन को मोटा कहकर चिढ़ाया था। अमन को यह बात बुरी लग गई थी और इसी बात को लेकर दोनों के बीच नाराजगी बनी हुई थी।

इस बात को लेकर दोनों में मनमुटाव बढ़ता गया और बाद में विवाद की वजह बन गया। अमन ने आरोपी को सबक सिखाने का मन बनाया। शुक्रवार (19 जून) को स्कूल की छुट्टी के बाद जब अमन और आरोपी छात्र घर लौट रहे थे। तभी अमन ने आरोपी छात्र को रास्ते में बुलाया और पुरानी बात को लेकर विवाद करने लगा।

देखते ही देखते दोनों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि अमन ने आरोपी छात्र के गले पर सब्जी काटने वाले चाकू से हमला कर दिया। तिल्दा नेवरा थाना प्रभारी अपनी टीम के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रण में लेते हुए मृतक के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। घटनास्थल के आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है और चश्मदीदों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं।

लोको पायलट की पत्नी से लूटः स्कूटी सवार बदमाशों ने गले से छीन लिया सोने की चेन

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। बिलासपुर में गुरुवार की सुबह लोको पायलट की पत्नी लूट का शिकार हो गई। वह अपने घर के बाहर झाड़ू लगा रही थी। तभी स्कूटी सवार तीन बदमाश आए और उनके गले में झपट्टा मारकर सोने की चेन लूटकर फरार हो गए। इस मामले की शिकायत पर पुलिस केस दर्ज कर लुटेरों की तलाश कर रही है। घटना तोरवा थाना क्षेत्र की है।

तोरवा शिवधाम विहार निवासी भानू प्रकाश रेलवे में लोको पायलट हैं। वह सुबह करीब 4:30 बजे ड्यूटी पर निकल गए थे। इसके बाद सुबह करीब 6 बजे उनकी पत्नी संजू कुमारी घर के बाहर सड़क पर झाड़ू लगा रही थीं।

इसी दौरान नीले रंग की स्कूटी पर सवार तीन नकाबपोश युवक वहां पहुंचे। इससे पहले कि वह कुछ समझ पातीं, पीछे बैठे युवक ने झपट्टा मारकर उनके

गले से सोने की चेन छीन ली। वारदात के बाद तीनों आरोपी मेन रोड की ओर तेजी से फरार हो गए।

सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस

पीड़िता के अनुसार, स्कूटी चला रहा युवक नीले टी-शर्ट और जींस में था, बीच वाला सफेद शर्ट और पीछे बैठा युवक सफेद टी-शर्ट पहने था। घटना की सूचना पर पुलिस ने मामला दर्ज कर हुलिए के आधार पर जांच शुरू कर दी है और आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

बाइक की किस्तें नहीं चुका पा रहा था युवक, फांसी लगाकर दे दी जान

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में कर्ज से परेशान युवक ने फांसी लगाकर जान दे दी। उरगा थाना क्षेत्र के बटरामपुर गांव का 22 वर्षीय युवक बाइक की किश्ते जमा नहीं कर रहा था और इसी दबाव में खौफनाक कदम उठाया। बताया जा रहा है कि फाइनेंस कंपनी के एजेंट लगातार उसपर दबाव बना रहे थे।

उरगा पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान शंकर कुमार के रूप में हुई है। 17 जून को वह उरगा कुछ काम पर गया था। वहां से लौटने के बाद रात करीब 9 बजे वह घर से बिना बताए चला गया। देर रात तक घर न लौटने पर परिजनों ने उसे फोन किया, लेकिन उसने नहीं उठाया। अगले दिन से परिजनों ने उसकी

खोजबीन शुरू की। रिश्तेदारों और आसपास के गांवों में भी उसका कोई सुराग नहीं मिला। परिजनों ने उरगा थाना पुलिस को गुमशुदगी की सूचना दी।

शिकायत के बाद पुलिस ने युवक की तलाश शुरू की। पुलिस ने शंकर के फोन का पता लगाया तो उसका स्थान बटरामपुर के एक खेत के पास मिला। पुलिस टीम और परिजन तुरंत मौके पर पहुंचे। खेत में लगे परसा के पेड़ पर शंकर का शव कपड़े के फंदे से लटका हुआ मिला। लापता होने के तीन दिन बाद शुक्रवार सुबह उसका शव बरामद हुआ।

पुलिस ने शव को पेड़ से उतारकर पंचनामा किया। इसके बाद शव को शव परीक्षण के लिए भेज दिया गया। उरगा थाना प्रभारी नवीन पटेल ने बताया कि मृतक का मोबाइल जब्त किया गया है। कॉल विवरण और अन्य पहलुओं की जांच कर रही है। शव परीक्षण रिपोर्ट के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। परिवार के लोगों ने बताया कि युवक पर कर्ज का दबाव था।

गेवरा खदान में केबल चोरी की कोशिश नाकाम, दो आरोपी रंगे हाथ पकड़े गये

कोरबा। सीआईएसएफ के बल सदस्यों द्वारा गेवरा खदान के अंदर स्थित ब्रह्मपुत्र तालाब के पास घात लगाकर कार्रवाई की। रात करीब 2 बजे 6-7 संदिग्ध व्यक्तियों का एक समूह केबल चोरी करने के इरादे से ब्रह्मपुत्र तालाब में संचालित मोटर के केबल को काटने का प्रयास किया। किन्तु पहले से घात लगाकर बैठे सीआईएसएफ के बल सदस्यों द्वारा सतर्कता और त्वरित कार्रवाई करते हुए उन्हें घेर लिया और केबल चोरी की कोशिश को विफल कर दिया गया।दो आरोपियों को रंगे हाथों पकड़ लिया, जबकि उनके अन्य साथी अंधेरे एवं पहाड़ी क्षेत्र का फायदा उठाकर फरार हो गए। पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ में उन्होंने अपनी पहचान 'कृष्णा दास (पिता - सुमेर दास), निवासी भिलाई बाजार' तथा 'देव प्रकाश (पिता - राम), निवासी टिटघोटला' के रूप में बताई। पकडे गए 02 संदिग्ध व्यक्तियों को दीपका थाना में अग्रिम कार्यवाही हेतु सौंप दिया गया।

कोरबा में नवविवाहिता की कब्र 3 दिन बाद खोदी गई, पति पर जताया हत्या का शक

कोरबा। कोरबा जिले के श्यांग थाना क्षेत्र के छिरहुट गांव में शुक्रवार को 23 वर्षीय नवविवाहिता घूरई बाई की कब्र खोदकर उसका शव बाहर निकाला गया। मृतका के मायके पक्ष ने उसकी मौत पर शक जताते हुए शिकायत दर्ज कराई थी।

रायगढ़ जिले के कुमा गांव की निवासी घूरई बाई का विवाह तीन साल पहले छिरहुट गांव के 26 वर्षीय दिलीप बैगा से हुआ था। दंपती का डेढ़ साल का एक बच्चा भी है। पति दिलीप बैगा ने बताया था कि 16 जून को घूरई की तबीयत अचानक बिगड़ी और उसकी मौत हो गई। इसके बाद परिजनों ने बिना पोस्टमॉर्टम कराए ही शव को दफना दिया था।

मृतका के मायके पक्ष को घूरई की मौत की सूचना मिलने पर संदेह हुआ। उन्होंने आरोप लगाया कि पति दिलीप चरित्र पर संदेह को लेकर अक्सर घूरई से झगड़ा करता था। मायके वालों ने दिलीप पर हत्या कर शव दफनाने का आरोप लगाते हुए श्यांग थाना पुलिस में शिकायत दर्ज कराई

और शव के उत्खनन की मांग की। शिकायत मिलने के बाद श्यांग थाना पुलिस ने कार्रवाई की। शुक्रवार को एसडीओपी, थाना प्रभारी, सीन ऑफ क्राइम टीम और जिला प्रशासन की ओर से नए तहसीलदार की मौजूदगी में छिरहुट गांव में कब्र की खुदाई कराई गई। पुलिस टीम ने शव को कब्र से निकालकर पंचनामा किया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मायके वालों का कहना है कि यदि हत्या साबित होती है, तो बच्चे को न्याय मिलना चाहिए। वहीं, पति दिलीप बैगा ने पत्नी की मौत बीमारी से होने का दावा किया है और हत्या के आरोपों को निराधार बताया है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का सही कारण स्पष्ट हो पाएगा। रिपोर्ट के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

ट्रेडिंग कंपनी में निवेश पर लाभ का झांसा देकर ठगी, पुलिस की गिरफ्त में शातिर दंपति

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के जामुल थाना क्षेत्र में ट्रेडिंग कंपनी में निवेश कर अधिक लाभ दिलाने का झांसा देकर 25 लाख रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। ठगी की शिकायत के बाद जामुल पुलिस ने इस मामले में पति पत्नी की गिरफ्तार किया है। आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने धारा 318(4), 3(5) बीएनएस के तहत वैधानिक कार्रवाई कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थिया फातिमा अहमद उर्फ स्वाती द्वारा थाना जामुल में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि पवन हरिहर सिंह एवं उसकी पत्नी पिंकी सिंह द्वारा स्वयं को फाइनेंशियल कंसलटेंट बताते हुए ट्रेडिंग कंपनी में निवेश कर अधिक लाभ अर्जित कराने का प्रलोभन दिया गया। पति-पत्नी ने विश्वास में लेकर प्रार्थिया से लगभग 25 लाख रुपए प्राप्त किए तथा प्रार्थिया की सहेली रजनी बारसकर के सोने के आभूषण प्राप्त कर उन्हें अपने नाम से IIFL Gold Finance, पावर हाउस चौक भिलाई में गिरवी

रखकर लगभग 15 लाख रुपये प्राप्त किए।

रुपए लेने के बाद दोनों फरार हो गए थे। प्रार्थिया की रिपोर्ट पर थाना जामुल में धारा 318(4), 3(5) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान मुखबिर सूचना के आधार पर आरोपी पवन हरिहर सिंह एवं पिंकी सिंह को घेराबंदी कर पकड़ा गया। पूछताछ में आरोपियों द्वारा अपराध स्वीकार किए जाने पर शुक्रवार को दोनों को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

उक्त कार्यवाही में थाना जामुल पुलिस की टीम एवं विवेचना में संलग्न अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सराहनीय भूमिका रही, जिनके द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए फरार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। दुर्ग पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि निवेश, ट्रेडिंग अथवा वित्तीय लाभ संबंधी किसी भी प्रस्ताव पर विश्वास करने से पूर्व संबंधित संस्था एवं व्यक्तियों का सत्यापन अवश्य करें। किसी भी प्रकार की साइबर अथवा वित्तीय धोखाधड़ी की सूचना तत्काल पुलिस को दें, जिससे समय पर वैधानिक कार्रवाई की जा सके।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता,

लोक निर्माण विभाग दुर्ग संभाग, दुर्ग (छ.ग.)

FaxNo.0788-2210482, Email ID-ee.durg@nic.in, eedurgdivision@gmail.com

ज्ञापन क्रं..... ./व.ले.लि./2026-27 दुर्ग, दिनांक /06/2026

भाव पत्र

वित्तीय वर्ष 2026-27 में कार्यपालन अभियंता, लोक निर्माण विभाग, दुर्ग संभाग, दुर्ग के कार्यक्षेत्र अंतर्गत दिनांक 16.07.2026 से दिनांक 31.03.2027 तक व्ही.आई.पी. आगमन एवं शासकीय कार्यक्रमों के आयोजन हेतु किराया भंडार सामग्री के भाव पत्र (कोटेशन) रजिस्टर्ड / स्पीड पोस्ट के द्वारा बंद लिफाफे में आमंत्रित की जाती है। इच्छुक योग्य टेंट हाऊस प्रतिष्ठान निम्नानुसार तिथि में आवेदन प्रस्तुत कर सकते है, विवरण निम्नानुसार है :-

1. आवेदन प्रस्तुत करने की तिथि - 01.07.2026
2. दर प्रस्तुत करने की तिथि - 02.07.2026
3. दर खोलने की तिथि - 03.07.2026

आवेदन पत्र के साथ निम्नानुसार दस्तावेज / प्रमाण पत्र की प्रति प्रस्तुत करना आवश्यक होगा-

आवश्यक अर्हताएं:-

1. 50.00 लाख रूपये का एकल कार्य का कार्यानुभव होना चाहिए।
2. पिछले 5 वर्ष में किसी 1 वर्ष में 1 करोड़ का टर्नओव्हर होना चाहिए।
3. निविदा फार्म शुल्क 750/- रुपयें।
4. निविदा में फर्म का गुमास्ता पंजीयन, आयकर चुकता प्रमाण-पत्र या विगत 3 वर्षों का आयकर रिटर्न (फार्म 16), जी.एस.टी. की पंजीयन प्रमाण-पत्र, ISO प्रमाण-पत्र तथा पैन कार्ड की स्व प्रमाणित छायाप्रति प्रस्तुत करना होगा।
5. निविदा संबंधी अन्य शर्ते विभागीय वेबसाईट छ.ग. शासन लो.नि.वि. की वेबसाईट https://pwd.cg.nic.in/ के नोटिस बोर्ड में उपलब्ध है।

कार्यपालन अभियंता

जी-262701586/3 लो.नि.वि. दुर्ग संभाग दुर्ग (छ.ग.)

चिखली पुलिस ने अवैध शराब कारोबारी को दबोचा

राजनांदगांव। नशा मुक्त अभियान के तहत चौकी चिखली पुलिस ने अवैध शराब बिक्री के खिलाफकार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। 19 जून को सूचना मिली कि ग्राम बोरी स्थित शीतला तालाब पार के पास गुलशन ताम्रकर नामक युवक मोटरसाइकिल में शराब रखकर अवैध रूप से बिक्री कर रहा है। चौकी चिखली पुलिस ने टीम गठित कर मौके पर घेराबंदी की और आरोपी को रंगे हाथों पकड़ लिया। आरोपी की मोटरसाइकिल की सीट के नीचे रखी बोरी से 40 पौवा सुपर-36 देशी शराब तथा 15 पौवा शोले देशी मसाला शराब बरामद की गई। जब्त शराब की कुल मात्रा 9.900 बल्क लीटर तथा कीमत लगभग 4,700 रुपये आंकी गई है। कुल जब्त संपत्ति का मूल्य 35,020 रुपये बताया गया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया।

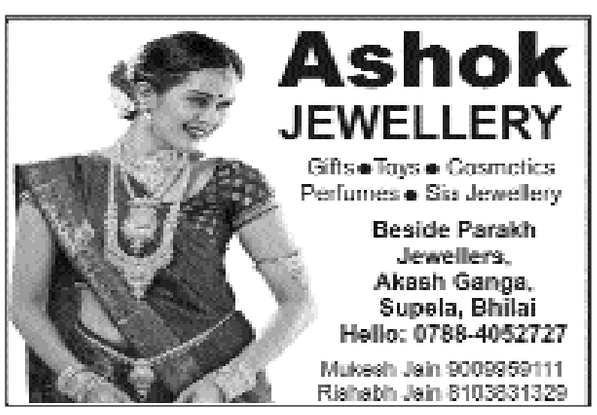

खास खबर

पल्स पोलियो अभियान 28 जून को, 0-5 वर्ष के बच्चों को दी जाएगी दवा की खुराक

कवर्धा। जिला कबीरधाम में पल्स पोलियों अभियान 28 जून 2026 रविवार को आयोजित होने जा रहा है। इस दिन निर्धारित पोलियो बूथ पर 0 से 5 वर्ष के बच्चों को पोलियो टीके की खुराक पिलाई जाएगी। छुटे हुए बच्चों को 29 एवं 30 जून 2026 को घर-घर भ्रमण कर पोलियो दवा की खुराक पिलाई जावेगी। कलेक्टर गोपाल वर्मा ने पालकों से से अपील किया है कि 28 जून 2026 रविवार को आप अपने 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को नजदीकी पोलियो बूथ पर ले जाकर पोलियो की वैक्सीन अवश्य पिलाएं। गौरतलब है कि पल्स पोलियो टीकाकरण कार्यक्रम भारत में 1995 से शुरू हुआ एक टीकाकरण अभियान है, जिसका उद्देश्य पांच साल से कम उम्र के बच्चों को पोलियों की खुराक पिलाकर पोलियों से बचाव करना है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वाथ्य अधिकारी डॉ. डी.के. तुरे ने बताया कि भारत में 2011 के बाद पोलियों का एक भी प्रकरण रिपोर्ट नही किया गया है एवं निरंतर पोलियों की पहचान हेतु सर्विलेंस किया जाता है।

दिव्यांग बच्चों की पहचान के लिए जिलेभर में सर्वे टीमों को मिला प्रशिक्षण

बीजापुर। समग्र शिक्षा के अंतर्गत दिव्यांग बच्चों की पहचान एवं उन्हें शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के उद्देश्य से जिले के सभी विकासखंडों में व्यापक स्तर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। राज्य कार्यालय समग्र शिक्षा के दिशा-निर्देशों के अनुरूप कलेक्टर विश्वदीप के आदेश तथा जिला मिशन संचालक एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत नम्रता चौबे के निर्देश पर यह महत्वपूर्ण पहल संचालित की गई। जिला मिशन समन्वक जी. बी. एस. रेड्डी एवं सहायक कार्यक्रम समन्वयक तथा समावेशी शिक्षा प्रभारी तारकेश्वर पैकरा के सफल मार्गदर्शन में जिलेभर में दिव्यांग बच्चों के चिन्हांकन एवं पहचान के लिए गठित सर्वे टीमों को विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य विभिन्न प्रकार की दिव्यांगताओं की प्रारंभिक पहचान कर बच्चों को आवश्यक शैक्षणिक एवं सहायक सेवाओं से जोड़ना है।

दो साल बाद बेटे से मिली मां : विधिक प्राधिकरण की समझाइश रंग लाई तो आंसुओं के साथ लौटी घर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। कभी परिवार की कलह से आहत होकर घर छोड़ने वाली 70 वर्षीय लच्छनी बाई ने शायद यह उम्मीद भी छोड़ दी थी कि एक दिन उनके बेटे उन्हें फिर अपने साथ घर ले जाएंगे, लेकिन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण महासमुंद की पहल ने बिछड़े रिश्तों को फिर से जोड़ दिया। करीब दो वर्ष बाद बेटे को सामने देखकर वृद्ध मां की आंखें भर आईं और परिवार भी भावुक हो उठा।

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) के 'करूणा' एवं वरिष्ठ नागरिक अधिकार सशक्तिकरण अभियान के तहत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण महासमुंद जिले की प्रभारी सचिव एवं मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट चेतना ठाकुर ने आशियाना वृद्धाश्रम में विधिक जागरूकता शिविर के दौरान वहां रह रहे वरिष्ठ नागरिकों से संवाद किया। बातचीत के दौरान ग्राम सेवईया (थाना पिथौरा) निवासी लच्छनी बाई ने अपने परिवार से बिछड़ने की कहानी सुनाई।

लच्छनी बाई ने बताया कि परिवार में तीन बेटों के बीच लगातार विवाद और तनाव के कारण उन्होंने स्वयं घर छोड़ने का निर्णय लिया था। भटकते-भटकते उन्हें आशियाना वृद्धाश्रम का सहारा मिला, जहां वह पिछले दो से तीन वर्षों से रह रही थीं।

मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रभारी सचिव चेतना ठाकुर ने अधिकार मित्र जितेंद्र पटेल के माध्यम से लच्छनी बाई के परिजनों का पता लगवाया और उन्हें जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यालय बुलाया। वहां उन्होंने बेटों और पुत्रवधुओं को मां के प्रति अपने दायित्वों का एहसास कराया तथा उन्हें सम्मान, स्नेह और संवेदनशीलता के साथ घर ले जाकर देखभाल करने की समझाइश दी।

इस समझाइश का असर हुआ और लच्छनी बाई के बेटे तथा पुत्रवधु उन्हें अपने साथ घर ले जाने के लिए सहमत हो गए। वर्षों बाद मां और बेटे के मिलन का भावुक दृश्य वहां मौजूद सभी लोगों की आंखें नम कर गया। इस अवसर पर ठाकुर राम दीवान, अधिकार मित्र हरिचंद साहू, आशियाना वृद्धाश्रम की रूचि ठाकुर, भूमिका ध्रुव, साध्या तांडी तथा लीगल एड डिफेंस के कर्मचारी खेलसिंह पटेल भी उपस्थित रहे।

महाराष्ट्र सरकार अपनाएगी छत्तीसगढ़ का धान खरीदी मॉडल

धान खरीदी सरकार के लिए फायदे का नहीं, बल्कि किसानों का हित ही एक मात्र उद्देश्यः मंत्री दयाल दास बघेल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ की धान खरीदी व्यवस्था के अध्ययन करने आए महाराष्ट्र सरकार के विधायक प्रतिनिधियों एवं अधिकारियों के दल ने कहा कि यहां के धान खरीदी मॉडल का विस्तृत रूप से अध्ययन कर इस पूरी प्रणाली को महाराष्ट्र सरकार को भी अपनाने के लिए सुझाव देंगे। विधायक दल समिति के अध्यक्ष डॉ परिणय फुके ने कहा कि छत्तीसगढ़ की धान खरीदी व्यवस्था की इस प्रणाली को अपनाने के लिए सरकार को भी रिपोर्ट सौपेंगे।

छत्तीसगढ़ की धान खरीदी वास्तव में किसान हितैषी है। प्रतिनिधियों ने किसानों के पंजीयन से लेकर विक्रय तक की व्यवस्थाएं जैसे ऑनलाईन टोकन व्यवस्था, इलेक्ट्रानिक तौल, सिस्टमेटिक मॉनिटरिंग, बारदाना खरीदी, नजदीकी धान उर्पाजन केन्द्रों सहित धान खरीदी व्यवस्था में लिकेज और गड़बड़ी को रोकने के लिए शुरू की गई इंटिग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर की प्रशंसा की।

गौरतलब है कि खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री दयाल दास बघेल की अध्यक्षता में अटल नगर नवा रायपुर स्थित नवीन विश्राम भवन के कॉन्फ्रेंस हाल में छत्तीसगढ़ धान खरीदी प्रणाली की अध्ययन करने महाराष्ट्र से आए विधायकों एवं अधिकारियों के प्रतिनिधि मंडल के साथ बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल ने कहा कि धान खरीदी सरकार के लिए फायदे का सौदा नहीं बल्कि किसानों का हित ही एक मात्र उद्देश्य है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में हमारी सरकार किसानों को सहूलियत प्रदान करने के लिए तत्परता के साथ कार्य कर रही है। हमारी सरकार द्वारा लिए गए नीतिगत फैसलों से प्रदेश के किसानों की आर्थिक समृद्धि बढ़ी है और रहन-सहन में बदलाव हुआ है। उन्होंने धान खरीदी व्यवस्था के संबधों में विस्तार से जानकारी दी।

बैठक में धान खरीदी व्यवस्था पर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। चर्चा के दौरान मंत्री बघेल ने छत्तीसगढ़ में धान खरीदी व्यवस्था, किसानों के हित में संचालित योजनाओं, कृषि क्षेत्र में किए जा रहे सुधारों तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। मंत्री बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ कृषि प्रधान राज्य है और यहां की बड़ी आबादी खेती-किसानी पर निर्भर है। राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने, कृषि को लाभकारी बनाने तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इस मौके पर उन्होंने प्रतिनिधिमंडल को स्मृति-चिन्ह भेंट कर उनका स्वागत किया।

खाद्य मंत्री दयालदास बघेल ने बताया कि धान खरीदी सरकार के लिए कोई फायदा का सौदा नहीं हैं, बल्कि सरकार की प्राथमिकता में हैं। धान खरीदी व्यवस्था पूरी तरह किसानों के हित से जुड़ी हुई हैं। श्री बघेल ने बताया कि प्रदेश में किसानों से 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी की जा रही है। राज्य सरकार द्वारा खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में लगभग 141 लाख मीट्रिक टन धान का उपार्जन किया गया है, जो देश में धान खरीदी के सबसे बड़े अभियानों में से एक है। उन्होंने कहा कि किसानों की सुविधा के लिए प्रदेशभर में लगभग 2740 धान उपार्जन केंद्र संचालित हैं।

प्रतिनिधिमंडल को खाद्य मंत्री दयालदास बघेल ने कृषक उन्नति योजना सहित राज्य सरकार द्वारा किसानों के हित में संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी दी। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार खेती को अधिक लाभकारी बनाने तथा किसानों की आय में निरंतर वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। कृषि के साथ-साथ पशुपालन, मत्स्य पालन और अन्य आयवर्धक गतिविधियों को भी बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे ग्रामीण परिवारों की आमदनी में वृद्धि हो रही है।

चर्चा के दौरान महाराष्ट्र के विधायक प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने बताया कि छत्तीसगढ़ से लगे महाराष्ट्र के चार जिलों में बड़ी संख्या में किसान धान की खेती करते हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की धान खरीदी व्यवस्था, किसानों को मिलने वाला समर्थन और प्रशासनिक प्रबंधन अत्यंत प्रभावी एवं अनुकरणीय है। राज्य में किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य उपलब्ध कराने तथा खरीदी प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए किए गए प्रयास सराहनीय हैं। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने कहा कि छत्तीसगढ़ का धान खरीदी मॉडल किसानों के आर्थिक सशक्तिकरण का सफल उदाहरण है।

दंतेवाड़ा जिला अस्पताल के नवजात आईसीयू में मासूम को मिला नवजीवन

श्रीकंचनपथ समाचार

दंतेवाड़ा। वेंटिलेटर पर सात दिनों तक चली एक मासूम की जंग डॉक्टरों के समर्पण और अथक मेहनत के आगे जीत में बदल गई। जिला अस्पताल दंतेवाड़ा के चिकित्सकों और एसएनसीयू स्टाफ ने अपनी कुशलता और टीम वर्क से एक नवजात बच्ची को नया जीवन दे दिया।

गीदम विकासखंड के पदमेटा स्कूलपारा की मंजू अलामी ने 10 मई को एक बच्ची को जन्म दिया। खुशियां तब चिंता में बदल गई जब जन्म के तुरंत बाद ही नवजात की तबीयत बेहद गंभीर हो गई। बच्ची को सांस लेने में भारी तकलीफ हो रही थी, शरीर में शुगर का स्तर लगातार गिर रहा था और उसे बार-बार झटके आ रहे थे।

स्थिति इतनी नाजुक थी कि उसे किसी उच्च चिकित्सा संस्थान में रेफर करना भी बेहद जोखिम भरा और जानलेवा साबित हो सकता था।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अजय रामटेके ने बताया कि ऐसी चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में जिला अस्पताल के शिशु रोग विशेषज्ञों ने तत्परता दिखाई और बच्ची को तुरंत विशेष नवजात देखभाल इकाई में भर्ती कर लिया। मासूम को लगातार सात दिनों तक वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया, जहां डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ ने चौबीसों घंटे उसकी निगरानी की। इस कड़ी तपस्या और प्रबंधन का असर सात दिनों बाद तब दिखाई दिया, जब बच्ची की हालत में सुधार होने लगा और उसे वेंटिलेटर से हटा लिया गया। एक महीने के उपचार के बाद, 13 जून को बच्ची को पूरी तरह स्वस्थ अवस्था में अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

छत्तीसगढ़ में हो रहा है तय मानकों के अनुसार लगाए जा रहे है विद्युत स्मार्ट मीटर

अब गलत मीटर रीडिंग पर लगेगा विराम

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। स्मार्ट मीटर किसी राज्य सरकार की अलग योजना नहीं, बल्कि भारत सरकार की पुनर्गठित वितरण क्षेत्र योजना के तहत पूरे देश में लागू की गई राष्ट्रीय पहल है। इसी योजना के अंतर्गत केंद्र सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों और निर्धारित मानकों के अनुसार छत्तीसगढ़ सहित विभिन्न राज्यों में स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं। राज्य सरकार इस केंद्रीय योजना का क्रियान्वयन करते हुए विद्युत वितरण व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, आधुनिक और उपभोक्ता हितैषी बनाने की दिशा में कार्य कर रही है।

केंद्र सरकार ने जुलाई 2021 में देशभर में स्मार्ट मीटरिंग योजना लागू करने का निर्णय लिया था। इसका उद्देश्य बिजली वितरण कंपनियों की कार्यक्षमता बढ़ाना, तकनीकी एवं वाणिज्यिक हानियों में कमी लाना, बिजली आपूर्ति की गुणवत्ता सुधारना तथा उपभोक्ताओं

को सटीक बिलिंग की सुविधा उपलब्ध कराना है।

छत्तीसगढ़ में स्मार्ट मीटर परियोजना लागू करने का निर्णय पूर्ववर्ती सरकार वर्ष 2022 में लिया गया था। परियोजना के लिए टेंडर जारी होने और कार्यादेश दिए जाने के बाद फरवरी 2024 से स्मार्ट मीटर लगाने का कार्य प्रारंभ हुआ। वर्तमान में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा पूर्व में जारी निविदाओं, अनुबंधों और कार्यादेशों के आधार पर ही परियोजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है। प्रदेश में लगभग 55 लाख उपभोक्ताओं के लिए स्मार्ट मीटर लगाए जाने का लक्ष्य है, जिनमें से करीब 40 लाख मीटर स्थापित किए जा चुके हैं।

स्मार्ट मीटर से उपभोक्ताओं को कई सुविधाएं मिल रही हैं। बिजली की खपत का आंकड़ा हर 30 मिनट में उपलब्ध होता है, जिससे उपभोक्ता अपने उपयोग पर बेहतर निगरानी रख सकते हैं। मीटर रीडर द्वारा गलत रीडिंग दर्ज होने की संभावना समाप्त हो जाती है और बिलिंग अधिक सटीक होती है। इसके अलावा स्मार्ट मीटर के माध्यम से बिजली भार, वोल्टेज और ऊर्जा खपत सहित अन्य तकनीकी आंकड़े वास्तविक समय में प्राप्त होते हैं। इससे विद्युत वितरण कंपनी को नेटवर्क की स्थिति का लगातार विश्लेषण करने, ओवरलोडिंग, वोल्टेज में उतार-चढ़ाव अथवा आपूर्ति संबंधी समस्याओं की समय रहते पहचान कर आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई करने में सुविधा मिलती है।

मोदी सरकार के 12 वर्षों में रोजगार, गरीब कल्याण और अर्थव्यवस्था को मिली नई मजबूतीः मंत्री लखनलाल देवांगन

विकसित भारत रोजगार योजना के तहत 2,400 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि वितरित, युवाओं और नियोक्ताओं को मिलेगा सीधा लाभ

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में रोजगार सृजन, गरीब कल्याण और आर्थिक सशक्तिकरण के क्षेत्र में ऐतिहासिक कार्य हुए हैं। प्रधानमंत्री के 12 वर्षों के कार्यकाल में भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत हुई है और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित हुए हैं। यह बात प्रदेश के वाणिज्य, उद्योग एवं श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन ने प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में कही।

नई दिल्ली के विज्ञान भवन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा डीबीटी के माध्यम से प्रोत्साहन राशि वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसका सीधा प्रसारण

रायपुर स्थित एम्स ऑडिटोरियम में देखा गया। इस अवसर पर वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी, लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं प्रतिभागी उपस्थित रहे।

रोजगार सृजन को नई गति देने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना के तहत आज 2,400 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि वितरित की। योजना के माध्यम से अब तक 15 लाख से अधिक युवाओं को रोजगार प्राप्त हुआ है। विज्ञान भवन में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया तथा केंद्रीय राज्य मंत्री सुश्री शोभा करांदलाजे भी उपस्थित रहीं। योजना के अंतर्गत पहली बार नौकरी प्राप्त करने वाले युवाओं को एक माह के वेतन के बराबर अधिकतम 15,000 रुपये तक की एकमुश्त प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। वहीं अतिरिक्त रोजगार सृजित करने वाले नियोक्ताओं को प्रत्येक नई नियुक्ति पर अधिकतम 3,000 रुपये प्रतिमाह तक की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी, जिससे उद्योगों और संस्थानों में भर्ती को बढ़ावा मिलेगा।

श्रम मंत्री देवांगन ने कहा कि 99 हजार 446 करोड़ रुपये के कुल व्यय वाली इस महत्वाकांक्षी योजना का लक्ष्य अगले दो वर्षों में देशभर में 3.5 करोड़ से अधिक रोजगार का सृजन करना है। इनमें लगभग 1.92 करोड़ ऐसे लाभार्थी होंगे, जिन्हें पहली बार औपचारिक रोजगार मिलेगा। उन्होंने कहा कि केंद्रीय श्रम मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया के नेतृत्व में श्रम एवं रोजगार के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हुए हैं।

मंत्री श्री देवांगन ने बताया कि राज्य सरकार की नई औद्योगिक नीति को उद्योग जगत का व्यापक समर्थन मिला है और इसके परिणामस्वरूप अब तक 8 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं। इससे प्रदेश में बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर सृजित होने की संभावना है। वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के 12 वर्षों के कार्यकाल में रोजगार, गरीबी उन्मूलन और आर्थिक विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल हुई हैं।

गौरैला-पेंड्रा-मरवाही में छायाचित्र प्रदर्शनी एवं वृहद पंजीकरण शिविर का आयोजन, हितग्राहियों को योजनाओं का मिला लाभ

विकास, जनकल्याण और सुशासन की उपलब्धियों का प्रदर्शन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर गौरैला-पेंड्रा-मरवाही जिले में विकास, जनकल्याण और सुशासन की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से मल्टीपरपज स्कूल पेण्ड्रा के असेंबली हॉल में भव्य छायाचित्र प्रदर्शनी एवं वृहद पंजीकरण शिविर का आयोजन किया गया।

कलेक्टर डॉ. संतोष कुमार देवांगन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने विकास और जनकल्याण के क्षेत्र में अनेक महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। इन उपलब्धियों को आमजन तक पहुंचाने तथा पात्र हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलाने के उद्देश्य से देशभर में प्रदर्शनी और शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का वास्तविक लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। जिला पंचायत अध्यक्ष समीरा पैकरा ने कहा कि सुशासन तिहार जैसे अभियानों से विकास कार्यों में नई गति आई है और शासन-प्रशासन आम जनता की समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान का उल्लेख करते हुए अभिभावकों से बालिकाओं की शिक्षा और सशक्तिकरण को प्राथमिकता देने का आह्वान किया।

जिला पंचायत उपाध्यक्ष राजा उपेन्द्र बहादुर सिंह ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में देश ने विकास की नई ऊंचाइयों को छुआ है। उन्होंने आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना और प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना जैसी जनहितकारी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि इन योजनाओं ने लाखों परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का कार्य किया है।

कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर एवं जनप्रतिनिधियों ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए प्रदर्शनी स्टॉलों का अवलोकन किया और विभागीय गतिविधियों एवं योजनाओं की जानकारी प्राप्त की। वृहद पंजीकरण शिविर में विभिन्न शासकीय योजनाओं के पात्र हितग्राहियों का पंजीकरण किया गया तथा उन्हें योजनाओं से संबंधित विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई गई। शिविर में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत पांच हितग्राहियों को आवास की चाबी प्रदान की गई, जबकि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत तीन हितग्राहियों को आर्थिक सहायता के चेक वितरित किए गए।

इसके साथ ही स्वास्थ्य विभाग द्वारा जरूरतमंद हितग्राहियों को सहायक उपकरण भी उपलब्ध कराए गए। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण जनसंपर्क विभाग द्वारा लगाई गई छायाचित्र प्रदर्शनी रही, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में हुए विकास कार्यों, आधारभूत संरचना के विस्तार, डिजिटल इंडिया, आत्मनिर्भर भारत, स्वच्छ भारत मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत सहित विभिन्न राष्ट्रीय योजनाओं की उपलब्धियों को आकर्षक छायाचित्रों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। प्रदर्शनी में बड़ी संख्या में नागरिकों ने पहुंचकर सरकार की उपलब्धियों और विकास यात्रा की जानकारी प्राप्त की।

लोकसाहित्य के दर्पण में अतीत का प्रतिबिंब विषयक दो दिवसीय राज्य स्तरीय सम्मेलन का समापन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। लोक साहित्य में निहित ऐतिहासिक चेतना, जनजातीय ज्ञान परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण को नई दिशा प्रदान करते हुए संस्कृति विभाग के अंतर्गत पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय संचालनालय द्वारा आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय सम्मेलन लोकसाहित्य के दर्पण में अतीत का प्रतिबिंब का शुक्रवार को सफल समापन हुआ।

महंत घासीदास स्मारक संग्रहालय, रायपुर के सभागार में आयोजित इस सम्मेलन में इतिहासकारों, लोक साहित्य विशेषज्ञों, शोधकर्ताओं और विद्वानों ने लोक परंपराओं में संरक्षित ऐतिहासिक स्मृतियों के महत्व पर व्यापक विमर्श किया। सम्मेलन का उद्देश्य लोककथाओं, लोकगाथाओं, जनश्रुतियों और पारंपरिक ज्ञान में सुरक्षित इतिहास को पहचानना, उसका प्रलेखन करना तथा भावी पीढ़ियों के लिए संरक्षित करने की दिशा में अकादमिक संवाद को प्रोत्साहित करना था। समापन दिवस पर आयोजित तीन तकनीकी सत्रों में प्रदेश और देश के विभिन्न हिस्सों से आए विशेषज्ञों ने अपने शोधपत्रों के माध्यम से लोक साहित्य और इतिहास के गहरे संबंधों को रेखांकित किया। तृतीय तकनीकी सत्र की अध्यक्षता वरिष्ठ विदुषी डॉ. सत्यभामा आडिल ने की। सत्र में लोक साहित्य में संरक्षित पारंपरिक ज्ञान और ऐतिहासिक साक्ष्यों पर केंद्रित शोध प्रस्तुत किए गए। डिंडोरी से आए डॉ. विजय चौरसिया ने बैगा जनजाति की पारंपरिक चिकित्सा पद्धति पर प्रकाश डालते हुए बताया कि वनस्पतियों और जड़ी-बूटियों पर आधारित यह ज्ञान प्रणाली आज भी अनेक जटिल रोगों के उपचार में प्रभावी है। महासमुंद की डॉ. अनुसुईया अग्रवाल ने छत्तीसगढ़ी लोकोक्तियों के माध्यम से इतिहास के विभिन्न आयामों को प्रस्तुत किया, जबकि डॉ. अरुण कुमार निगम ने महानदी, शिवनाथ, लीलागर और नर्मदा जैसी नदियों से जुड़ी लोककथाओं और जनश्रुतियों का विश्लेषण कर उनके ऐतिहासिक महत्व को सामने रखा। डॉ. पीसी लाल यादव ने पुरातात्त्विक अवशेषों के आधार पर 'कुँवर अछरिया' लोकगाथा की ऐतिहासिकता पर प्रकाश डाला, वहीं शकुंतला तरार ने बस्तर के पूजनीय प्रेमी युगल देवता 'झिटकू-मिटकी' की लोककथा का भावपूर्ण प्रस्तुतीकरण किया। सत्राध्यक्ष डॉ. सत्यभामा आडिल ने कहा कि पारंपरिक चिकित्सा ज्ञान और आधुनिक चिकित्सा विज्ञान के समन्वय से समाज को व्यापक लाभ मिल सकता है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950